





The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 35]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 27, 1977 (भाद्रपद 5, 1899)

No. 35]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 27, 1977 (BHADRA 5, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग 111-खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा श्रायोग नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 जुलाई 1977

सं० ए०-32013/3/76-प्रशा० I—इस कार्यालय की समसंख्यक ग्रधिसूचना दिनांक 31-5-77 के ग्रनुकम में भारतीय राजस्व सेवा (ग्रायकर) के ग्रधिकारी श्री एम० एस० थान्वी को, राष्ट्रपति द्वारा 1-7-77 से ग्रयवा ग्रागामी ग्रादेशों तक संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है।

प्र॰ ना॰ मुखर्जी अवर सचिव, संघ लोक सेवा अयोग

नई दिल्ली 110011, दिनांक 27 जुलाई 1977

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा० III(1)—इस कार्यालय की समसंख्यक ग्रिधसूचना दिनांक 24-6-1977 के ध्रनुक्रम में, संघ लोक सेवा ग्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री ग्रार० के० मागो, को, राष्ट्रपति द्वारा 17-7-77 से 12-8-77 तक की ग्रांतिरिक्त ग्रवधि के लिए, ग्रथवा ग्रागामी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रनुभाग ग्रिधकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए०-32014/1/77-प्रशा० III(2)—इस कार्यालय की समसंख्यक ग्रधिसूचना दिनांक 23-5-77 के ग्रनुक्रम में, संघ 1-216जी आई/77 लोक सेवा ग्रयोग में केन्द्रीय सिचवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जी० के॰ सामन्ता को, राष्ट्रपति द्वारा 17-7-77 से 31-8-77 तक की ग्रतिरिक्त ग्रविध के लिए, ग्रथवा भ्रागामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रनुभाग ग्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए०-32014/1/77-प्रशा० III(3)—इस कार्यालय की समसंख्यक ग्रिधसूचना दिनांक 23-5-1977 के ग्रनुक्रम में, संघ लोक सेवा ग्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० बी० दास सरमा को, राष्ट्रपति द्वारा 13-7-77 से 27-8-77 तक की ग्रातिरिक्त ग्रवधि के लिए, ग्रथवा ग्रागामी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रनुभाग ग्रिधकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

दिनांक 5 ग्रगस्त 1977

सं० ए०-32014/1/77-प्रशा० III(2)—इस कार्यालय की समसंख्यक ग्रिधसूचना दिनांक 20-7-1977 के ग्रनुक्रम में, संघ लोक सेवा ग्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० भाटिया को, राष्ट्रपति द्वारा 14-8-77 से 31-8-77 तक की ग्रितिरिक्त ग्रवधि के लिए, ग्रथवा ग्रागामी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रनुभाग ग्रिधकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा० III (3)—इस कार्य लिय की समसंख्यक ग्रधिसूचना दिनांक 27-7-77 के ग्रनुक्रम में, संघ लोक सेवा श्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री ग्रार० के० मागो को, राष्ट्रपति द्वारा 13-8-77 से 31-8-77 तक की ग्रातिरिक्त श्रवधि के लिए, श्रथवा श्रागमी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रनुभाग श्रधकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए०-32014/1/77-प्रणा० III(4)—इस कार्यालय की समसंख्यक ग्रिधसूचना दिनांक 20-7-1977 के भनुकम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री ग्राई० जे० शर्मा, को, राष्ट्रपति द्वारा 12-8-1977 से 30-8 77 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

प्रभात नाथ मुखर्जी, श्रवर सचिव (प्रशासन प्रभारी) संघ लोक सेवा झयोग

गृह मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांक 19 जुलाई 1977

सं० के 11/71 प्रशासन-5---शाह जांच श्रायोग में नियुक्त हो जाने पर, सर्वश्री के० जी० विद्यासागर, ए० चक्रवर्ती, तथा ए० के० मजूमदार , पुलिस उप श्रधीक्षक, केन्द्रीय श्रन्वेषण व्यूरो, नई दिल्ली की सेवाएं दिनांक 25 जून, 1977 के पूर्वाह्न से शाह जांच श्रायोग को सौंप दी गई है।

दिनांक 22 जुलाई 1977

सं० ए०-19020/3/75-प्रशासन-5—पुलिस उप महा-निदेशक (रेन्ज), दिल्ली के रूप में नियुक्ति हो जाने पर, श्री वाई० राजपाल, पुलिस उप महानिरीक्षक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली (भारतीय पुलिस सेवा मध्य प्रदेश-1957) की सेवाएं दिनांक 20 जून, 1977 के पूर्वाह्म से दिल्ली प्रशासन को सौंप दी गई हैं।

उन्होंने दिनांक 20-6-77 के पूर्वाह्म में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

> पी० एस० निगम, प्रशासन ग्रक्षिकारी (स्था०) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल नई दिल्ली-110001, दिनांक 5 ग्रगस्त 1977

सं० ○-II-1068/77-स्थापना—-राष्ट्रपति, डाक्टर के० जगन्नाथ राव को ग्रस्थापी रूप में ग्रागामी ग्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में जी० डी० ओ० ग्रेड II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमांडर) के पद पर 12-7-1977 पूर्वाह्म से नियुक्त करते हैं।

ए० के० बन्धोपाध्याय, सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
नई दिल्ली 24, दिनांक 5 अगस्त 1977

सं० ई० 38013(2)/3/77-क्रामिक—देवास से स्था-नान्तरित होने पर, श्री बी० जी० थरते ने 5 जुलाई, 1977 के अपराह्म से, के० ओ० मु० ब० यूनिट, बैंक नोट प्रैस केरा कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

ली० मि० बिष्ट, महानिरीक्षक

वित्त मन्त्रालय (श्चर्य विभाग)

भारत प्रतिभृति मुद्रणालय नासिक रोड, दिनांक 16 जुलाई, 1977

सं० 696/ए०—श्री शिव राज शर्मा को कय श्रधिकारी के पद पर भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में सुधारित वेतन श्रेणी रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 में दिनांक 15 जुलाई, 1976 से नियुक्त किया जाता है।

> डी० सी० मुखर्जी, महा प्रबन्धक भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय महालेखाकार वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई, 1977

सं प्र 1/2(1)/V1799—महा लेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, नई दिल्ली श्री एम० श्रार० गुप्ता, श्रनुभाग ग्रिधकारी (लेखा एवं लेखा परीक्षा) को 6-7-77 पूर्वाह्र से विरुट उप महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, बम्बई के कार्यालय में 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 र० के वेतनमान में श्रीम श्रादेश तक, श्रनन्तिम श्राधार पर श्रस्थायी लेखाधिकारी के रूप में पदोश्नत करते हैं।

दिनांक 5 ग्रगस्त 1977

सं० प्र० 1/2(1)/V/1848—महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, नई दिल्ली श्री के० ग्रार० बर्मन (ग्रनुभाग ग्रिधिकारी लेखा एवं लेखा परीक्षा) को 15-7-77 पूर्वाह्म से वरिष्ठ उप महालेखाकार वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, कलकता के कार्यालय में 840-1200 रु० के वेतन मान में ग्रनन्तिम ग्राधार पर ग्रस्थायी लेखा अधिकारी के रूप में पदोन्नत करते हैं।

एस० एस० मान, उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, कर्नाटक बेंगलुर, दिनांक 2 भगस्त, 1977

सं० स्थापना 1/म्र4/77-78/382--महालेखाकार, निम्न-लिखित एक स्थायी भ्रनुभाग भ्रधिकारी को उनके वरिष्ठी के बिन प्रतिकूल प्रभाव डाले प्रगले प्रादेण जारी होने तक प्रस्थायी क्षमता में लेखा अधिकारियों के पद में, वे उन पद का कार्यभार ग्रहण करने का दिनांक से स्थानापन्न रूप में पदोन्नत करते हैं:--

श्रीटी० ए० श्रीनिवासन ।

एम० ग्र० सौंदरराजन, वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, भ्रान्ध्र प्रदेश हैदराबाद, दिनांक 3 श्रगस्त 1977

सं० ६० बी॰ I/8-312/77-78/182—महालेखाकार, भ्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के श्रधीन लेखा सेवा के स्थायी मदस्य श्री ग्रार० राधवन को महालेखाकार भ्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान क० 840-40-1000ई० बी॰-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा प्रधिकारी के पद पर 30-7-77 (ग्रपराह्न) से जब तक ग्रागे श्रादेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ मदस्यों के दावे पर प्रतिकृत प्रभाव डालने वाली नहीं है।

एस० ग्रार० मुखर्जी, प्रवर उप-महा-लेखाकार (प्रशा०)

कार्यालय, मुख्य लेखा परीक्षक द० म० रेलवे

सिकन्दराबाद, दिनांक 1 अगस्त 1977

सं० एच०/ए०/II/5/II/638—श्री ए० सन्दनासामी, लेखा परीक्षा ग्रधिकारी, श्रधिवार्षिक की श्रायु प्राप्त करने के फलस्वरूप 31-7-77 (श्रपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हुए।

डी० एन० प्रसाद, उप मुख्य लेखा परीक्षक

भारतीय ब्रार्डनेंन्स फैक्टरियां सेवा महानिदेशालय, ब्रार्डनेन्स फैक्टरियां कलकत्ता-700016, दिनांक 3 ब्रगस्त 1977

सं० 40/77/जी०—-राष्ट्रपति निम्नलिखित ग्रधिकारियों की ए० डी० जी० ओ० एफ० ग्रेड-I, जी० एम० ग्रेड-I के पद पर प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से पुष्ट करते हैं:---

- श्री जे० बी० सक्तेना, स्थानापन्न, महाप्रबन्धक (स्लेक्शन ग्रेड)—पहली नवम्बर, 1974।
- श्री एम० पी० सिन्हा, स्थानापन्न महाप्रबन्धक (स्लेक्शन ग्रेड)—पहली अप्रैल, 1975 ।
- 3. श्री पी० डी० पन्त, स्थान/पन्न महाप्रबन्धक (सलेक्शन ग्रेड) (सेवा निवृत्त)—14 श्रक्तूबर, 1975।
- 4. श्री ग्रार० जी० देवलालीकर, स्थानापन्न महाबप्रन्धक (स्लेक्शन ग्रेड)---पहली फरवरी, 1975।
- डाक्टर बी० एम० ग्राई० नामबीसन्, स्थानापन्न महा-प्रबन्धक (स्लेक्शन ग्रेड^I)—पहली ग्रप्रैल, 1976।

6. श्री जे० सी० मार्वाहा, स्थानापम्न ए० डी० जी० ग्रेड-I महाप्रबन्धक ग्रेड-I—एहली मई, 1976।

एम० पी० स्नार० पिल्लाय, सहायक महा-निदेशक, स्नार्डनेन्स फैक्टिरियां

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, श्रायात निर्यात का कार्यालय
मई दिल्ली, दिनांक 8 श्रगस्त 1977
श्रायात और निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/302/55-प्रशा० (रा०)/5718---राष्ट्रपति, कुमारी एस० के० ग्रेवाल, उप मुख्य नियंत्रक, ग्रायात निर्यात (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से भिन्न) को मुख्य नियंत्रक, ग्रायात निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में बिल्कुल तदर्थ और ग्रस्थायी ग्राधार पर 1-7-77 से और ग्रागे तीन माह के लिए ग्रथवा जब तक स्थायी प्रबन्ध न हो जाए, इसमें जो भी पहले हो, उस तक के लिए संयुक्त मुख्य नियंत्रक, ग्रायात निर्यात के रूप में नियंत्रक, ग्रायात निर्यात के रूप में नियंत्रक करते हैं।

ह०/अपठनीय मुख्य नियंत्रक अत्यात-निर्यात

वस्त्र श्रायुक्त का कार्यालय

बम्बई, विनांक 2 श्रगस्त 1977

सं० सी० ६० म्रार०/6/77—सूती वस्त्र (नियंत्रण) मादेश, 1948 के खण्ड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व स्वीकृति से मैं एतद्द्रारा अस्त्र मायुक्त की ग्रधिसूचना सं० टी० सी० (4)/58 दिनांक 7 मार्च, 1958 में निम्नलिखित ग्रतिरिक्त संशोधन करता हूं।

उक्त मधिसूचना से संलग्न सारणी के स्तंभ 2 में कम संख्या 2 के सामने की विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

- (1) संयुक्त निदेशक उद्योग (वस्त्र). उपनिदेशक उद्योग (वस्त्र)
- (2) सभी क्षेत्रीय घ्रधिकारी (उद्योग) घ्रपर तथा संयुक्त निदेशक उद्योग और उप निदेशक उद्योग
- (3) सभी परियोजना श्रधिकारी (उद्योग) (ग्रा० उ० प०)
- (4) सभी सामुदायिक परियोजना ग्रधिकारी
- (5) सभी जिला उद्योग प्रधिकारी

गौरी शंकर भागेव, संयुक्त वस्त्र ग्रायुक्त

उद्योग महीलय

(ग्रोद्योगिक विकास विभाग) कार्यालय, विकास ग्रायुक्त (लधु उद्योग)

नई विल्ली, दिनांक 12 जुलाई, 1977

संव क०-19018/261/76-प्रशासन (राजपितत)--संघ लोक सेवा भाषोग की मस्तुतियों के भाधार पर राष्ट्रपति 2 जून. 1977 के पूर्वीह्न से श्री एम० महाबला को लघु उद्योग विकास मंगठन में उपनिदेशक (यांतिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. उपनिदेशक (यांतिक) के रूप में नियुक्ति के फल-स्वरूप श्री महाबला ने 2 जून, 1977 के पूर्वाह्न में लघु उद्योग सेवा संस्थान, तिचूर में उपनिदेशक (यांतिक) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

वी० बेंटटरायुलु, उप निदेशक (प्रसाशन)

पूर्ति तथा निभटान महानिदेशालय (प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रागस्त 1977

सं० प्र० 1/1(86)/VII—श्री ग्रारदमन सिंह, निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेष्ड-I) की उपनिदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेष्ड-II) के पद पर श्रवनित को जो ग्रादेश इस महा-निदेशालय की दिनांक 27-5-77 की ग्राधिसूचना संख्या प्र० 1/1(86) में जारी किए गए थे रह किए जाते हैं।

सं० प्र० 1/1(1100)— राष्ट्रपति, कृषि ग्रायकर भीर बिक्रीकर कार्यालय मूक्षर, देवी कोलम में बिक्रीकर निरीक्षक श्री सी० करणाकरण को दिनांक 18-7-77 (पूर्वाह्न) से भौर ग्रागामी ग्रादेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में सहायक निदेशक (बिक्रीकर) (ग्रेड-I) के रूप में नियुक्त कर करते हैं।

कीरत सिंह, उप निवेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन शास्त्रा 6)

नई दिल्ली, दिनांक 8 भ्रगस्त 1977

सं० ए०-17011 (124)/77 प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा उत्तरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली में स्थायी भंडार परीक्षक (इंजी०) श्री कें० के० सभरवाल को दिनांक 22 जुलाई, 1977 के अपराह्म से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेणालय के अधीन उत्तरी निरीक्षण मंडल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) के पद पर नदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 जुलाई 1977

सं० ए०-11011/17/77-प्र०-6—-राष्ट्रपति सेवा निवृत्त सेवा अधिकारी त्रिगेडियर एम० एम० तलवार को पूननियुक्ति के प्राघार पर दिनांक 2 जून, 1977 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की प्रविध के लिए पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय, नई दिल्ली के निरीक्षण स्कंध में रु० 2250-125/2-2500 के वेतनमान में विशेष कार्याधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. विशेष कार्येधिकारी के रूप में त्रिगेडियर एम० एम० तलवार की नियुक्ति को पूर्ति तथा पुनर्वास मंत्रालय (पूर्ति विभाग) द्वारा उनके दिनांक 31-1-1977 के पत्न सं० भाई०-12012/8/76 स्था० II द्वारा सुजित पद के मदुदे समायोजित किया गया है।

मूर्य प्रकाश, उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात श्रीर खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 3 प्रगस्त 1977

सं० ए०-19012(85)/77-स्था०-ए०—इस विभाग के निम्नसंख्या क्रमांक ग्रिधिसूचना दिनांक 26 मई 1977 के संदर्भ में भारतीय खान ब्यूरो के स्थायी ग्रधीक्षक, श्री जी० सी० शर्मा की 18 जून 1977 तक तदर्थ ग्राधार पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- के वेतन क्रम में स्थानापन्न सहायक प्रणासन ग्रधिकारी के रूप में भागे तक पदोक्षति की गई है।

दिनांक 5 ग्रास्त 1977

सं० ए०-19011(10)/70-ज्ञथा०--दिनांक 31 मई, 1977 (प्रपराह्म) को सेवा निवृति की ग्रायु प्राप्त होने पर श्री एम० सी० बासू राय भौधरी, स्थायी खनिज ग्रर्थ शास्त्री तथा स्थानापन्न खनिज ग्रर्थशास्त्री को एतव् द्वारा 31 मई, 1977 के प्रपराह्म से भारतीय खान ब्यूरो में उन के कार्यभार से मुक्त किया जाता है और तदनुसार उनका नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया जाता है।

दिनांक 6 ग्रगस्त, 1977

सं० ए० 19011(171)/73-स्था० ए०—दिनांक 31 मार्च, 1977 (प्रपराह्म) को सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त होने पर श्री ए० के० राघवाचारी, स्थायी प्रशासन ग्रधिकारी तथा स्थानापन्न बरिष्ठ प्रशासन श्रधिकारी को एतव्हारा 31 मार्च, 1977 के प्रपराह्म से भारतीय खान ब्यूरो में उनके कार्यभार से मुक्त किया जाता है और तव्नुसार उनका नाम इस विभाग को प्रभावी स्थापना मे काट दिया जाता है।

सं० ए०-19011(218)/77-स्था० ए०---राष्ट्रपति श्री बी० के० जैन को 30 जुलाई, 1977 के प्रपराक्ष से स्थानापन्न रूप में भारतीय खान ब्यूरो में रसायज्ञ के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं। सं० ए०-19012/94/77-स्था०--भारतीय खनि विभाग के स्थायी प्रधान सहायक श्री झार० एस० पठानीया को दिनांक 30 जुलाई 1977 के झपराह्म से झागामी झादेश होने तक उसी विभाग में स्थान/पन्न सहायक झिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

> एल० सी० रणधीर, कार्यालय भ्रध्यक्ष कृते नियंत्रक

राष्ट्रीय भ्रभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 6 प्रगस्त 1977

सं० ख० का० 11/2-1/75-ग्र-1--श्री राजेन्द्र प्रसाद, सहायक रसायनक (पदकम-I) को, दिनांक 1-8-77 से सर्वथा तदर्थ प्राधार पर स्थानापन्न रूप से काम करने के हेतु, वैज्ञानिक ग्रधिकारी (वर्ग 2 राजपितत) नियुक्त किया जाता है। यह तदर्थ नियुक्ति नियमित ग्रधिकार प्रदान नहीं करेगी भौर न ग्रन्थ उच्च ग्रेड में पदोन्नति हेतु पात्रता श्रीर वरिष्ठता संबंधी उद्देश्य के लिए गिनी जाएगी।

एस० एन० प्रसाद, ग्रिभिलेख निदेशक

विज्ञान ग्रौर प्रोद्योगिकी विभाग राष्ट्रीय एटलस संस्था

कलकत्ता-19, दिनांक 1 ग्रगस्त 1977

सं० 29-16/77-स्था०—िनम्निलिखत क्षेत्राधिकारी श्रौर वरिष्ठ शोध सहायक राष्ट्रीय एटलस संस्था में विशुद्ध श्रस्थायी एवं तद्दर्थ रूप में उनके नामों के समक्ष जिखित श्रवधि से भावी श्रादेश होने तक कनिष्ठ तकनीकी श्रधिकारी के पद पर नियुक्त किये जाते हैं:—

नाम	नियुक्ति दिनांक
क्षेत्राधिकारी	
1. श्री एस० ग्रार० विण्वाम	8-7-1977 (पूर्वाह्न)
वरिष्ठ शोध सहायक	
1. श्री बी० एन० घोष	8-7-1977 (पूर्वाह्म)
2. श्री ए० के० सरकार	8-7-1977 (पूर्वाह्न)
3. श्री जे० बी० सेन	8-7-1977 (अपराह्म)
4. श्रीश्री राम	8-7-1977 (पूर्वाह्म)

एस० पी० दासगुप्त. निदेशक

भाकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 अगस्त 1977

सं० ३/43/73-एस-एक---महानिदेशक, श्राकाशवाणी एतदद्वारा श्री लाकपा रिचो भूटिया को ग्राकाणवाणी, कुर्सियांग में 27 जून, 1977 से भ्रगले भ्रादेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर श्रस्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4/87/77-एस-एक——महानिदेशक, ग्राकाशवाणी एतद्-द्वारा श्री बाला सनजीवि माणिक्क को ग्राकाशवाणी कोयम्बटूर में 7 जुलाई, 1977 से ग्रगले ग्रादेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर ग्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 ग्रगस्त 1977

सं० 5(18) 75-एस-एक--महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा कुमारी ऊषा श्रानन्द को आकाशवाणी, शिमला में 28 जून, 1977 (श्रपराह्म) से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 ग्रगस्त 1977

सं० 5/116/70-एस-I—महानिदेशक, आकाशवाणी. एतद्द्वारा श्री देव सिंह विमल को श्राकाशवाणी नजीवाबाद में 15 जुलाई, 1977 से श्राले श्रादेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर श्रम्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4/40/77-एस-एक--महानिदेशक, आकाशवाणी, एतव्द्वारा श्री चन्द्रकान्त सदाशिव बर्वे को आकाशवाणी, पुणे में 21 जुलाई, 1977 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

धिनांक 9 अगस्त 1977

सं० 4/7/77-एस-I—महानिदेशक, ब्राकाणवाणी, एतवृद्वारा कुमारी एलिस जोथा नपूइ फानाई को ब्राकाशवाणी, एजल में 26 जुलाई, 1977 से ब्रगले ब्रादेशों तक कार्यंक्रम निष्पादक के पद पर ब्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4/10/77-एस-I--महानिदेशक, प्राकाशवाणी, एतद्-द्वारा कुमारी वीणा गनपतराव छपलकर को आकाशवाणी, पुणे में 28 जुलाई, 1977 से अगले प्रादेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर ग्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4/58/77-एस-I—महानिदेशक, ग्राकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री विमल चन्द्र गुप्त को ग्राकाशवाणी, जगदलपुर में 25 जुलाई, 1977 से ग्रगले ग्रावेमों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर ग्रस्थायी रूप में निय्क्त करते हैं।

सं० 4/61/77-एस-I—महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्-द्वारा श्री सुणील रावर्ट बनर्जी को, श्राकाशवाणी, लखनऊ में 27 जुलाई, 1977 से श्रगले श्रादेशों तक, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर, श्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

> नन्द किशोर भारद्वाज, प्रशासन उपनिवेशक, कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 9 ग्रगस्त 1977

म० 10/12/72-एस-तीन—दिल्ली राज्य श्रीधोगिक विकास निगम, नई दिल्ली से वापस लौटने पर, श्रीर 10-2-77 से 10-6-77 तक, 91 दिन की छुट्टी के पश्चात्, श्री एस० सी० श्रीवास्तव ने 13-6-77 से क्षेत्रीय श्रीभयंता (उत्तर), श्राकाशवाणी नई दिल्ली के कार्यालय में महायक श्रीभयंता का कार्यभार संभाल लिया है।

हरजीत सिंह, प्रशासन उपनिदेशक, कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 श्रगस्त 1977

सं ० 17-11/74-प्रशासन-I—-राष्ट्रपति ने श्री एम० के० गुप्ता को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में 24 मई, 1977 पूर्वाह्म से श्रस्थाई श्राधार पर श्राकिटेक्ट के पद पर श्रागामी श्रादेशों तक नियुक्त किया है।

दिनांक 3 श्रगस्त 1977

सं० ए० 19019/40/76-(ए०आई० ग्राई० एच० पी० एच०) प्रशासन-I—समय पूर्व क्षेत्रा निवृत्ति हो जाने से डा० पी० के० दत्ता ने 30 जून, 1977 अपराह्म से प्राख्त भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान और जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता से पोषण श्रीर जीव विज्ञान के एसोसियेट प्रोफीसर के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

मूरज प्रकाश जिन्दल, उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1977

सं० ए० 11017/1/76-कें० स० स्वा० यो०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (कुमारी) कें० कें० सोलंकी को 11 जुलाई, 1977 पूर्वाह्न से केंग्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना कानपुर में आर्युर्वेदिक कार्य-चिकित्सक के पद पर श्रम्थायी आधार पर नियकन किया है।

संव ए० 11017/1/76-कें ब्रम्बाव्यो०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) कें ब्रम्ब एम्बर्य ग्रम्मा को 28 जून 1977 पूर्वाह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना मद्रास में ग्रायुर्वेदिक कार्य-चिकित्सक के पद पर ग्रस्थायी ग्राधार पर नियुक्त किया है।

केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, मद्रास में श्रायुर्वेदिक कार्य-चिकित्सक (तदर्थ) डा० एम० नेमामणी को 28 जून 1977 पुर्वाह्य से उनके पद से रिलीव कर दिया गया था।

संव ए० 11017/2/76-कें व संव स्वाव यो०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेणक ने डा० (कुमारी) बलजीत कलसी को 12 जुलाई, 1977 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के अन्तर्गत होस्योपैथिक काय-चिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

एन० एस० भाटिया, उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 2 श्रगस्त 1977

सं० ए० 12026/8/77-डी०--स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री सी० एस० चव्हाण को 1 जुलाई, 1977 से ध्रागामी धादेशों तक केन्द्रीय धौषधि मानक नियंत्रण संगठन, सन्ताकुज हवाई पत्तन, बम्बई में तकनीकी ग्रधिकारी के पद पर श्रस्थाई श्राधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 5 भ्रगस्त 1977

सं० ए० 12025/2/76-डी०—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री सी० सैमुग्नल देवप्रसाद को 11 जुलाई, 1977 पूर्वाह्न से ग्रागामी श्रादेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के केन्द्रीय श्रीषधि मानक नियंत्रण संगठन, बम्बई के पश्चिमी जोन कार्यालय में श्रीषधि निरीक्षक के पद पर ग्रस्थायी श्राधार पर नियुक्त किया है।

> एस० एस० गोठोस्कर, ग्रौपधि निरीक्षक (भारत)

कृषि श्रौर सिचाई मंत्रालय (कृषि विभाग) विस्तार निदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 4 श्रगस्त 1977

मि० सं० 2-II/76-स्थापना (I) — श्री एन० शिवारामा कृष्णन् की सहायक प्रदर्शनी श्रिधकारी (कोटि प्रथम) के पद पर तदर्थ नियुक्ति दिनांक 16-7-1977 के श्रागे दिनांक 23-7-1977 तक जारी रही ।

चन्द्र प्रकाश, निदेशक प्रशासन

(ग्राम विकास विभाग)
विषणन भौर निरीक्षण निदेशालय
(प्रधान शाखा कार्यालय)
नागपुर, दिनांक 3 श्रगस्त 1977

सं० फा० 5/11/77-वि० II— भारत सरकार, वित्त मंद्रालय (राजस्व विभाग) की सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 124 दिनांक 15-9-62 के लिए में एतद्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से हरड़, जिसका श्रेणीकरण समय समय पर यथा संशोधित हरड़ श्रेणीकरण और चिह्नन नियम और कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नन) अधिनियम 1937 (1937 का 1) के खण्ड 3 के अधीन सूत्रीकृत उपबन्धों के अनुसार किया जा चुका है, के सम्बन्ध में श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हं:—

नाम		पद	
श्री एम० चक्रवर्ती श्री पी० जे० चिमलवार	सहायक	विपणन	स्रधिकारी स्रधिकारी
श्री टी० एम० मुस्तफी	उप वरिष	ऽठ विष	गणन

जे० एस० उप्पल, कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग ऋय एवं भंडार निदेशक

बम्बई-400001, दिनांक 18 जुलाई 1977

संदर्भ: डीपीएस/2/1(1)/77-प्रणा०/16899—परमाणु ऊर्जा विभाग के कय एवं भंडार निदेशक, इस निदेशालय के हैदरा- बाद रीजनल यूनिट के निम्नलिखित भंडार पालों को उनमें से प्रत्येक के नाम के सामने उल्लिखित प्रविध के लिए, इसी निदेशालय में 650-30-740-35-810—द० रो०-35-880-40-1000—द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में तदर्थ प्राधार पर, सहायक भंडार ग्रिधकारियों के रूप में नियुक्त करते हैं :—

=		
 श्री वी० वी० नायर, भंडारपाल हैदराबाद रीजनल स्टोर यूनिट 	18-10-76 से 16-5-77 तक	श्री सी० सेमुग्रल सहायक भंडार ग्रिधकारी, जिन की छुट्टी स्वीकृत हो गई है, के स्थान पर।
 श्री एच० ग्रार० दुग्रा भंडार पाल, हैदरा- बाद रीजनल स्टोर यूनिट 	8-2-77 से 16-3-77 तक	श्री एम० एन० एष० राव सहायक भंडार अधिकारी, जिनकी छुट्टी स्वीकृत हो गई है, के स्थान पर।
 श्री स्नार० सी० नय्यर भंडार पाल, भंडार एकक (क्रय एवं भंडार निदेशालय) परमाणु खनिज प्रभाग 	1 <i>7</i> -5-7 <i>7</i> से 30-7-77 तक	श्री सी० सैमुग्रल, सहायक भंडार ग्रधि- कारी के स्थान पर।

दिनांक 27 जुलाई 1977

सं० डी० पी० एस०/23/4/77-स्थापना/17611—परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय एवं भण्डार निदेणालय के निदेशक, भारी पानी परियोजना, तलचर के भण्डार यूनिट (ऋय एवं भण्डार निदेशालय) के भण्डारी श्री बी० एल० राव को 3 जून, 1977 के पूर्वाह्म से 12 जुलाई, 1977 के अपराह्म तक उसी निदेशालय में 650—30—740—35—810—द० रो०—35—880—40—1000—द० रो०—40—1200 रुपये के वेतनमान में श्री धार० एन० गृहा, सहायक भण्डार अधिकारी जिन्हों छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर तदर्थ आधार पर सहायक भण्डार श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी, सहायक कार्मिक श्रधिकारी

पर्यटन भ्रौर नागर विमानन मंत्रालय (भारत मौसम विज्ञान विभाग) नई दिल्ली-3, दिनांक 6 भ्रगस्त 1977

सं० ई(1)04393—वेधशालाश्रों के महानिदेशक, वेध-शालाश्रों के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नयी दिल्ली में स्थानापन्न श्रधीक्षक, श्री के० सी० सुबैय्या को 26-7-77 से 13-9-77 तक 50 दिन की अविध के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं। श्री सुर्बैय्या, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी, वेधशालाश्रो के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे ।

सं० ई(1)05481—विधणालाग्रो के महानिदेशक, वेधणालाग्रों के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नयी दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री एस० एन० भान को 27-7-77 के पूर्वाह्र से 23-10-77 तक नवासी दिन की श्रविध के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री भान स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेधशालाश्री के मुख्य कार्यालय, नयी दिल्ली में ही तैनात रहेगे।

सं० ई(1)05868—-वेधणालाग्रो के महानिदेशक, वेधणालाग्रों के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय नयी दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री चंद्र प्रकाश को 20-7-77 से 7-9-77 तक 50 दिन की श्रवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री चंद्र प्रकाण स्थानायन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेधशालाश्रों के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नयी दिल्ली में ही तैनात रहेंगे ।

सं० ई (1)06059—वेधणालाग्रों के महानिदेशक, वेध-णालाभों के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नयी दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री एस० सी० गुप्ता को 15-7-77 के पूर्वाह्र से 2-9-77 तक 50 दिन की श्रविध के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री गुप्ता स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेधशालाश्रों के महानिदेशक के मुख्य कार्याक्षय नयी दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई (1)06106—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नयी दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री बी० दयाल को 30-7-77 के पूर्वीह्न से 17-9-77 तक पचास दिन की श्रविध के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री दयाल, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी, वेधणालास्त्रों के महानिदेशक के भुख्य कार्यालय, नयी दिल्ली में ही तैनात रहेगे।

सं० ई(1)06754—वेधशालाश्रों के महानिदेशक, मद्रास प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के श्रन्तर्गत विशाखापत्तनम सी० डब्ल्यू० सी० के श्री एन० रंगाचारी को जो इस कार्यालय की दिनांक 4-5-77 की श्रिधसूचना संख्या ई(1)06754 के अनुसार 30-6-77 तक सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य कर रहे थे भारत मौसम सेवा, ग्रुप-बी (केन्द्रीय सिविल सेवा, ग्रुप-बी) में 31 मई, 1977 के पूर्वाह्म से ग्रागामी श्रादेशों तक सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियमित रूप में नियुक्त करते हैं। श्री रंगाचारी विशाखापत्तनम सी० डब्ल्यू० सी० में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई (1) 07540—विधमालाम्रो के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय नयी दिल्ली, भारत मौसम विज्ञान विभाग, में स्थान(पन्न सहायक मौसम विज्ञानी, श्री जी० एस० माही के स्थागपत्न की स्वीकृति के परिणाम स्वरूप, उन्हें 21 जुलाई,

वेधशालाभों के उप-

करण), नई विल्ली ।

निवेशक, कृषि मौसम

प्रादेशिक मौसम केन्द्र,

~वही-

प्रादेशिक मौसम केन्द्र,

कलकत्ता।

-वही-

(उप-

(उप-

महानिदेशक

विज्ञान, पूर्णे।

निदेशक,

बम्बई।

करण), पूर्ण।

(1)

(2)

4. श्रार० एम० सक्सेना

प्रार० सी० दुवे

मार० चौध्री

7. टी०एम० सांबा-

8. बी० जी० लेले

9. के० कें० भौमिक

10. एस० ग्रार० विश्वास

म्ति

(3)

5-7-77 से

31-8-77

सक

6-7-77

से

20-8-77

तक

6-7-77

से

20-8-77 तक

6-7-77

सं

20-8-77

तक

9-7-77

से

20-8-77

तक

7-7-77

से

20-8-77

तक

7-7-77

1977 के अनराह्म से कार्यमुक्त कर दिया गया ताकि वे पंजाब कृषि विण्वविद्यालय, लुधियाना (पंजाब) में नियुक्ति ग्रहण कर सकें।

मं० ई (1) 08054---वेधशालाग्रों के महानिवेशक, निवेशक, प्रावेशिक मौसम केन्द्र, नागपुर, कार्यालय के भन्तर्गत मौसम केन्द्र, भोपाल में व्यावसायिक सहायक श्री एन० जे० लाखोंने को 25 मई 1977 के पूर्वाह्म से ग्रागामी ग्रावेश तक भारत मौसम सेवा, ग्रप-बी (केन्द्रीय सिविल सेवा (प-बी) में सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर स्थाना-पन्न रूप में निथुक्त करते हैं।

श्री लाखीले मौसम केन्द्र, भोपाल में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 8 ग्रगस्त 1977

सं० ई (1) 06736—विधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नयी दिल्ली में व्यावसायिक सहायक, श्री श्रार० के० बंसल को 16-7-77 के पूर्वाह्म से 3-9-77 तक पचास दिन की श्रविध के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री बंसल, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी, वेधशालाधीं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नयी विल्ली में ही हैनात रहेंगे।

दिनांक 9 ग्रगस्त 1977

सं० ई (1) 01008—विधशालाम्रों के महानिदेशक निम्नलिखित व्यावसायिक सहायकों को स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नीचे दिए गए रूप में नियुक्त करते हैं:--

करत ह	:			201 (11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 1	स	141
कम सं०	नाम	म्रवधि	जिस कार्यालय में तैनात किए गए हैं		2 0- 8-77 लक	
(1)	(2)	(3)	(4)	11. एन० बी० घोष	7-7-77 ₹r 20-8-77	~बही⊷
 स	वंश्री				तक	
1. 朝	० गोपीनाध राव	6-7-77 से 20-8-77 सक	वेधशालाग्रों के उप- महानिदेशक का कार्या- लय,(जलवायु विज्ञान) पुणे।	12. एस० के० बासु	7-7-77 से 20-8-77 तक	- वही
2. एच	र ० झार० गणेसन	6-7-77 से 20-8-77 तक	व ही —	13. ए० के० मुखर्जी	1 6-7-77 से 1 9-8-77 तक	−वही-−
3. पी	० कें० ई० गजा	6-7-77 से 20-8-77 सक	वेधशालाश्चीं के उप- महानिदेशक (पूर्वा- नुमान), पुणे।	14. एन०सी० मुखर्जी	1 7- 6-7 7 से 1 9-8-7 7 तक	बहीं

(1)	(2)	(3)	(4)
सर्वे 15. बीट	श्री अबी० राय	4~6-77 सें 31-8-77 तक	मौसम केन्द्र कलकता के श्रन्तर्गत मौसम केन्द्र गौहाटी।
16. एस	० भ्रार० गेषाद्रि	6-7-77 से 31-8-77 तक	प्रादेशिक मौसम केन्द्र. मद्रास
17. वी	» सुन् वरे शा राव	6-7-77 से 2 0-8- 77 तक	–वही−
18. वी <i>ः</i> राज	• एम० वरद- न	2 0-7-77 से 7-8-77 तक	इस कार्यालय की पहली श्रिधिसूचना संख्या ई०(1)01008 दिनांक 13-6-77 के ग्रनुसार प्रदत्त स्थाना- पन्न पद के श्रनक्रम
19. पी० राव	वेंकट रामा	17-6-77 से 19-8-77 तक	प्रावेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के श्रन्तर्गत सी० डब्लू० सी० विशाखा- पतनम
20. छै ल	बिहारी	7-7-77 मे 31-8-77 तक	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नयी दिल्ली ।
21. भवा	नी दत्त	4-7-77 से 20-8-77 तक	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के श्रन्तर्गत मौसम केन्द्र, श्रीनगर

एम० ग्रार० एन० मणियन मौसम विज्ञानी कृत वेधशालाग्रों के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 30 जुलाई 1977

सं० ए० 32012/3/77-ई० एस०---महानिदेशक नागर विमानन ने श्री बी० एच० मेनन, ग्रधीक्षक को 8 जून, 1977 पूर्वाह्म से क्षेत्रीय निवेशक, मद्रास क्षेत्र, मद्रास एयर-पोर्ट, मद्रास के कार्यालय में नदर्थ ग्राधार पर प्रशासन ग्रधि-कारी (ग्रुप 'ख' पद) के रूप में निपुक्त किया है। 2--216GI/77

सं० ए० 32012/3/77-ई० एस०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री के० किणोर, श्रधीक्षक को 1 जुलाई, 1977 पूर्वाह्म से विमानक्षेत्र ग्रधिकारी, मफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय में श्री के० सी० जौहर, प्रशासन श्रधिकारी की छुट्टी रिक्ति में तदर्थ ग्राधार पर प्रशासन-श्रधिकारी (ग्रुप 'ख' पद) के रूप में नियुक्त किया है।

वि० वि० जौहरी सहायक निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई विल्ली, विनांक 28 जूलाई, 1977

सं० ए० 32014/2/77-ई० ए०—निम्नलिखित सहायक विमानक्षेत्र प्रधिकारी, जो कि तदर्थ प्राधार पर स्थानापस रूप में कार्य कर रहे थे, 1 जलाई, 1977 पूर्वाह्र से विमानक्षेत्र सहायक (श्रेणी III-प्रराजपितत) के प्रपने स्थायी पद पर परावितत हो गए हैं।

कम नाम सं०	स्टेशन
1. श्री एच० एस० संधू	भ्रम् तसर
2. श्री सी० वी० जोसफ	मद्रास
3. श्री के० सी० झारिया	जुहू (बंबई)
	पी० सी० जैन सत्रायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा बम्बई, दिनांक 5 ग्रगस्त 1977

सं० 1/433/77-स्था०--श्री के० उन्नीक्रीष्णन्, तकनीकी सहायक, स्विचिंग समूह, बम्बई, को 2-7-77 के पूर्वाह्म से श्रीर श्रागामी श्रादेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न तौर पर महायक श्रभियंता नियुक्त किया जाता है।

सं० 1/434/77-स्था०--श्री व्ही० एन० ए० इक्तिथन, तकनीकी सहायक, मुख्य कार्यालय, बम्बई, को 2-7-77 के पूर्वाह्न से श्रीर श्रागामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थाना-पन्न तौर पर सहायक श्रभियंता नियुक्त किया जाता है।

सं० 1/436/77-स्था०—-श्री एम० के० दास, तकनीकी, सहायक, कलकत्ता शाखा, को 2-7-77 के पूर्वाह्न से श्रीर ग्रागामी श्रादेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न तौर पर सहायक ग्रिभियंता नियुक्त किया जाता है।

सं ० 1/437/77-स्था०—श्री एस० पी० सिन्हा, तकनीकी सहायक, ग्रारवी णाखा को 2-7-77 के पूर्वाह्न से ग्रौर ग्रागामी ग्रादेशों तक उसी णाखा में स्थानापन्न तौर पर सहायक ग्राभियंता नियूक्त किया जाता है।

मं० 1/438/77-स्था०---श्री टी० सी० मेडेम, पर्य-वेक्षक, बस्बई, णाखा को 11-7-77 के र्रेपूर्वाह्न से ग्रीर र्रिंग्रागामी आदेशों तक उसी णाखा में स्थानापन्न तौर पर परियात प्रबं-धक नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 6 अगस्त 1977

सं 1/227/77-स्था०—मद्रास शाखा के स्थायी उप परियात प्रबंधक श्री एम पी० वासूपिल्ले निवृत होने की प्रायु के हो जाने पर 30 जून, 1977 के अपराह्म में सेवा निवृत्त हो गए हैं ।

> पु० ग० दामले, महानिदेशक

बम्बई, दिनांक 2 अगस्त 1977

सं० 1/369/77-स्था०---विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्वारा विदेश संचार सेवा की नई दिल्ली शाखा के पर्यवेक्षक, श्री भगत सिंह को श्रल्पकालीन रिक्त स्थानों पर :

- (1) 12-6-76 से 10-6-76 तक
- (2) 23-8-76 से 1-10-76 तक
- (3) 1-11-76 से 31-12-76 तक
- (4) 17-1-77 से 18-2-77 तक श्रौर
- (5) 21-2-77 से 18-3-77 (दोनों दिन समेत)

तक की अवधियों के लिए उसी णाखा में स्थानापन्न रूप से उप परि-यात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/431/77-स्था०--विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्वारा नई दिल्ली शाखा के तकनीकी सहायक, श्री ग्रार० के० ग्रानंद को एक ग्रत्यकालीन रिक्त स्थान पर 16-5-77 से 30-6-77 (दोनों दिन समेत) तक की ग्रवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से महायक ग्रिभियंता नियुक्त करते हैं।

दिनांक 3 श्रगस्त 1977

संव 1/338/77-स्था०—विदेण संचार सेवा के महा निदेणक एतद्बारा नई दिल्ली शाखा के श्रधीक्षक, श्री ए० के० बोस को 8-11-76 से लेकर 29-3-77 (दोनों दिन समेत) तक की श्रवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापभ रूप से सहायक प्रशासन श्रधिकारी नियुक्त करने हैं।

> एम० एस० कृष्णस्वाभी प्रशासन श्रधिकारी, कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा मीमा शुल्क समाहर्तालय बड़ौदा, दिनांक 21 जुन 1977

सं० 8/77--केन्द्रीय उत्पाद णुल्क, निरीक्षण ग्रुप, नडीयाद मण्डल के श्री एल० डी० परमार, केन्द्रीय उत्पाद णल्क के स्थायी श्रिष्टीक्षक, वर्ग-ख, दिनांक 30-6-1977 की ग्रपराह्न में निवर्तन पेशन पर निवस हो ज्येगे।

> एच० श्रा^र० सिएम, समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ब**ड़ौदा** ।

कानपुर, दिनांक 8 जुलाई 1977

सं० 86/77—श्वी सी० एम० भटनागर स्थानापन्न/
प्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' मेरठ ने ग्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' मेरठ के पद का कार्यभार दिनांक 31-5-77 (ग्रपराह्म) को श्री ग्रमरीक सिंह, ग्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मेरठ को सौंप दिया ग्रौर श्रद्धविषता की श्राय प्राप्त होने पर सरकारी मेवा से दिनांक 31-5-77 (ग्रपराह्म) को सेवा निवृत्त हो गए।

दिनांक 27 जुलाई, 1977

सं० 91/77—श्री एच० सी० मोटवानी, कार्यालय प्रधी-क्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने प्रशासनिक प्रधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख', वेतनमान रु० 650—30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200, के पद पर प्रपनी पदोक्षति के फलस्यरुप—देखिए इस कार्यालय के पृष्ठींकन प० सं० 11-145-ई० टी०/75/25416 दिनोक 1-6-77 के श्रन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना श्रादेश सं० 1/ए/175/77 दिनांक 1-6-77 का केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रागरा के पद का कार्यभार दिनांक 4-7-77 (पूर्वाह्म) ग्रहण किया ।

> कुं० श्री दिलिपसिंह जी समाहर्ता

शिलांग, दिनांक 3 श्रगस्त 1977

सं० 7/77—केन्द्रीय स्राबगारी कलक्टरेट शिलांग के निरी-क्षक श्री स्नामानत स्नाली हाजारिका को अगले श्रादेण जारी होने तक स्थानापन्न रूप में केन्द्रीय श्राबगारी द्यधीक्षक (श्रेणी-स) नियुक्त किया गया। श्री हाजारिका ने केन्द्रीय स्नाबगारी के स्रधीक्षक रूप में दिनांक 27-6-77 (पूर्वाह्न) से तुरा में कार्यभार संभाला।

सं० 8/77—केन्द्रीय आवगारी कलक्टरेट शिलांग के निरीक्षक श्री अमिय कुमार दास पुरकायस्थ को अगले आदिश जारी होने तक स्थानापम्न रूप में केन्द्रीय आवगारी अधीक्षक (श्रेणी-म) नियुक्त किया गया । श्री दास पुरकायस्थ ने केन्द्रीय आवगारी के अधीक्षक के रूप में दिनांक 22-7-77 (पूर्वाह्म) से अगरतला में कार्यभार संभाला ।

के० एस० साहा कलक्टर

पटना, विनांक 8 अगस्त 1977

मं० 11(7)1-स्था०/77/9647—इस कार्यालय के स्थापना श्रादेश संख्या 271/76 दिनांक 20-10-76 एवं 99/77 दिनांक 20-4-77 के अनुसार 12 केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क निरीक्षकों की पदोन्नित 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- क० तथा नियमान्तर्गत देय मामान्य भत्तों सहित वेतनमान में स्थानापन्न प्रधीक्षक श्रेणी 'व' के रूप में की गई इस ग्रादेश के प्रनुसरण में जैसा स्थापना ब्रादेश संख्या 121/77 दिनांक 1-6-77 द्वारा ग्रांशिक संशोधन किया गया. निम्नलिखित ग्रिधकारी ग्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद/सीमा शुल्क ग्रुप 'व' के रूप में उनके नामों के सामने दिए गए स्थान तिथि ग्रौर समयानुसार कार्यभार ग्रहण किए।

ऋमांक न	ाम प	द स्थापना के स्थान	कार्य ग्रहण करने की तिथि श्रौर समय
1	2	. 3	4
सर्वश्री			
1. यू० ए	स० दूबे	मुंगेर रेंज	30-5-77 (पूर्वाह्न) [
2. जी०।	एन० वर्मा	टिस्को/रेंज	29-6-77 (पूर्वाह्न)
3. चौधरी उल्ला	ी मो० सफी ह	ग्रधीक्षक (नि०) के० उ० जमशेदपुर	15-11 - 76 (पूर्वाह्न)
4. जे० र्प	ो० सिन्हा	पातेपुर रेंज	5-11-76 (पूर्वाह्म)
5. सी०	एस० प्रसाद	ग्रधीक्षक (नि०) के० उ० मुख्यालय, पटना	२ 23-5-77 (पूर्वाह्म)
6. श्रनवा	र म्रहमद	वरगनियां सीमा भुल्क, निवारण ।	30-6-77 (पूर्वाह्म)।
7. राम पू	जन तियारी	श्रधीक्षक (लेखा परीक्षा) के० उ० मुख्यालय, पटना	1 0-5 - 77 (पूर्वाह्म)
8. बुशेश्व वर्मा	र प्रसाद	सीमा शुल्क (नि०), निर्मेली	16-5-7 <i>7</i> (पूर्वाह्न)
9. जगदी	ण प्रसाद	टिस्को/रेंज	30-4-77 (पूर्वाह्म)
10. जगना	रायण प्रसाद	सीमा शुल्क (नि०)मोती हारी	25-4-77 (पूर्वाह्न)
11. राजेंद्र	प्रसाद चौबे	जन्दाहा रेंज	7-6-77 (पूर्वाह्न)

हरि नारायण साहु समाहर्ता

कन्द्रीय जल श्रायोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 4 श्रगस्त 1977

सं० क-19012/614/76-प्रशासन-पांच—प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री रतन सिंह, पर्यवेक्षक, केन्द्रीय जल आयोग को रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतया अस्थायी और तदर्थ रूप में 12 अगस्त, 1976 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश आने तक केन्द्रीय जल आयोग में सहायक अभियंता की श्रेणी में नियुक्त करते हैं।

श्री रतन सिंह ने श्रधीक्षक ग्रभियंता, लोवर लग्याप हाईडल परियोजना वृत गंगटोक (सिक्किम) के अन्तर्गत लोवर लग्याप निर्माण उप-प्रभाग सं० तीन केंद्रीय जल श्रायोग, रानी पुल (सिक्किम) में उपरोक्त दिनांक तथा समय से सहा-यक श्रभियन्ता के पद का भार ग्रहण कर लिया।

जे० के० साहा प्रवर सचिय कृते श्रध्यक्ष, केंद्रीय जल आयोग

उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 3 श्रगरत 1977

सं० 11—भारतीय रेल प्रभियांतिकी विभाग के श्री बी० एल० तिखा, स्थानापन उप मुख्य ग्रभियन्ता 30-6-1977 अपराह्म से ग्रायु प्रधीन सेवा निवृत हो गये हैं।

> जे० एन० कोहली महाप्रबंधक

विधि, त्याय ग्रीर कम्पनी कार्य मेबालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

मैसर्स स्रोवर सीज ट्रेडिंग कार्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में, कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के सन्तर्गत नोटिस।

नई दिल्ली, दिनांक 2 अगस्त 1977

सं० को०लिक्वि०3143/13801——माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली के दिनांक 12-5-1977 के श्रादेश से मैसर्स श्रोवरसीज ट्रेडिंग कार्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापित होना, ग्रादेशित हुआ है।

मैसर्स जाकोम इन्डस्ट्रियल कार्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में, कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के श्रन्तर्गत नोटिस।

नई दिल्ली, दिनांक 2 अगस्त 1977

सं० को०लिक्वि० 3331/13802—माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली के दिनांक 26-8-1976 के श्रादेश से मैसर्स जाकोम इन्डस्ट्रियल कार्पोरेशन प्राइवेट लि० का परिसमापित होना, श्रादेशित द्वश्रा है।

> श्रार० के० ग्ररोड़ा सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर शान्ति चिट फण्ड्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 3 ग्रगस्त 1977

सं० 5740/560(5)/77—कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि शान्ति चिट फण्ड्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 भौर जैयमनी चिट फण्ड्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 6 श्रगस्त 1977

सं० 5606/560(5)/77—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि जेयमनी बिट फण्ड्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम स्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघ-टित हो गयी है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रौर रिबया चिट फण्ड्स श्राइवेट लिमिटेड के विषय में,

मद्रास, दिनांक 6 अगस्त 1977

सं० डी० एन० 5669/560 (5)/77— कम्पनी प्रधिनियम, 1957 की धारा 560 की उपधारा (5) के प्रनुसरण में एतद्- ब्रारा सूचना दी जाती है कि रिबया चिट फण्ड्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम धाज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गयी है।

कस्पनी ग्रधिनियम, 1956 ग्रौर एफिशियोंट प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 6 भ्रगस्त 1977

सं० 6016/560 (5)/77—कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एव्वद्वारा सूचना दी जानी है कि एफिशियेंट प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी श्रधिनिमय, 1956 श्रौर मद्रास मरचन्ड्रैस श्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, विनांक 8 श्रगस्त 1977

सं० डी॰ एन०/1517/560(5)/77—कम्पनी ग्रिधिनियम. 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि मद्रास मरचन्डेंस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है। कम्पनी अधिनियम, 1956 और पोलिस्टर फैबरस लिमिटेई के विषय में।

मद्रास, दिनांक 8 ग्रगस्त 1977

सं० डी० एन० /5599/560 (5)/77—कम्पनी ग्रिधि-नियम 1956की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि गोलिस्टर फैबरस लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट विया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विश्वटित हो गयी है।

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 श्रौर प्रोजक्टस एन्ट ग्रडवैंसरी सरवीसस प्राहवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 8 ध्रगस्त 1977

सं० डी॰ एन०/5853/560(5)/77—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की जपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्- द्वारा सूचना दी जाती है कि प्रोजक्टस एंड श्रुडवैसरी सरवीसस प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

के० पञ्चापकेशन कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर मसर्स शाह फाउन्ड्रीज प्राह्येट लिमिटेड के विषय में।

ग्रहमदाबाद, दिनांक 4 ग्रगस्त 1977

सं० 560/1884—कम्पनी म्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एसद्द्वारा यह सूचना धी आती है कि इस तारीख से तीन मास के भ्रवसान पर मैंसर्स शाह फाउंग्ड्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

जे० गो० गाथा प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य, ध्रहमदाबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मसर्स परसुरामपुरिया लाईम इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर के सम्बन्ध में ।

जयपुर, दिनांक 2 अगस्त 1977

सं० सांख्यिकी/1069—कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसार में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मसमें परसुरामपुरिया लाइम इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत नहीं किये गये तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा श्रीर कम्पनी विघटित कर दी जाएगी। र्षेकम्पनी ग्रधिनियमय, 1956 श्रौर मैसर्स विष्याचिट फंड प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर के संम्बन्ध में।

जयपुर, दिनांक 2 श्रगस्त 1977

सं० सांख्यिकी/1228— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्बारा यह भूचना दी जाती है कि इस तारीख मे तीन मास के अवसान पर में संस विध्याचिट फंड प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिया नहीं किये गये तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विधटित कर दी जावेगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर मसर्स एम० के० फाईनेन्स एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर के सम्बन्ध में।

जयपुर, दिनांक 2 श्रगस्त 1977

सं० सांख्यिकी/1211—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस नारीख में तीन मास के अवसान पर मसर्स एम० के० फाईनेन्स एण्ड ट्रेंडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड जयपुर का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्वित नहीं किये गये तो रजिस्टर से काट दिया जावेगा और कम्पनी विघटित कर दी जावेगी।

कम्पनी प्रधिनियम, 1956 श्रीर मेसर्स श्रीवन कैमीकल्स एण्ड फर्टीलाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर के सम्बन्ध में।

जयपुर, दिनांक 2 भ्रगस्त 1977

सं० सांख्यिकी/1602--कम्पनी ग्रिधियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतवृद्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मेसर्स श्रीवन कैमीकलस एण्ड फर्टीलाईजर्स प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात नहीं किये गये तो रजिस्टर से काट दिया जावेगा श्रीर कम्पनी विधटित कर दी जावेगी।

राम दयाल कुरील कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कस्पनी अधिनियम 1956 श्रौर भिकटरी फिल्मस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 6 ग्रगस्त 1977

सं० 21275/560(3)—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसर पर भिकटरी फिल्मस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्तित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रौर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर नेपचून इलेक्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 6 स्रगस्त 1977

सं० 28261/560(3)—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्क्षारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसर पर नेपचुन इलेक्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिया न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 श्रौर वोगरा कोल कं० प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 6 श्रगस्त 1977

सं० 28637/560 (3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुमरण में एतद्बारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर वोगरा कोल कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटिस कर बी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर टागा कोल देडस् प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 6 श्रगस्त 1977

सं० 28639/560(3)—कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्बारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसर पर टागा कोल ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्ट्रर से काट दिया आएगा और उक्त कप्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रीधनियम, 1956 श्रौर प्रिमिश्रर पलिक्लिनिक प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 6 श्रगस्त 1977

सं० 29231/560(3)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर प्रिमिश्चर पिलिक्लिनिक प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 श्रौर नेगा जेमिदारी कोल कं० प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 6 ग्रगस्त 1977

सं० 28638/560(3)—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधार (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसर पर नेगा जेमिदारी कोल कं० प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्ट्रर से काट दिया जाएगा श्रौर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायगी।

एस० सि० नाथ कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल

कार्यालय ग्रायकर ग्रायुक्त इलाहबाद, दिनांक 18 जुलाई 1977

म्रायकर ग्रिधिनियम, 1961—धारा 123(1) एवं (2) म्रायकर भ्रायुक्त, इलाहाबाद के प्रभार में निरीक्षी सहायक श्रायकर म्रायुक्तों के क्षेत्राधिकार ।

सी० सं० 81 (ग) नि० स० म्रा०/तक०/77-78--म्रायकर म्रधिनियम, 1961 की धारा 123 की उप-धाराएं (1) श्रौर (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के सम्पादन में, मैं, श्रायेकर श्रायुक्त, इलाहाबाव एतद्द्वारा दिनांक 4-5-1977 की श्रिष्ठिन स्वना सी० सं० 284/तकनीकी श्रायकर श्रायुक्त क्षेत्रा०/77-78 में निम्नलिखित संशोधन करता हं।

कालम 3 के तीसरे मद के सामने क्रम संख्या 4 पर गाजीपुर जोड़ा जायें।

क० सं०	निरीक्षी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त रेन्ज	रेंज में शामिल किये गये सिकल भ्रथवा उप- प्रभार की संख्या
1	2	3
3	वाराणसी	4 गाजीपुर

यह श्रधिसूचना 1-6-1977 से लागू मानी जाएगी।

शेख श्रब्दुल्ला श्रायकर श्रायुक्त इलाहाबाद प्ररूप भाई० टी० एत० एस० -----

ष्पायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

सं भार ए० सी 62/77-78-प्तः मुझे, के एस०

हैदराबाद, दिनांक 8 भ्रगस्त, 1977

वेंकटरामन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु० से

अधिक है और जिसकी सं० 10-3-281/2 है, जो मासाबटेनक में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब ग्रन्भूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद , कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16)

के ग्राधीन 23-12-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यदापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है भीर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए:

प्रतः श्रबः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों अर्थात् :---

- 1. (1) नवाब कृतुबयारजनग
 - (2) श्रीमती रणीदुनीसा बेंगम
 - नजीरनिसा बेगम (3) श्रीमती 10-3-304 मासाबटेनक, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

2. मुसीला देवी मारजा पत्नी ब्रीज मोहन भारडा घर नं ० 10-3-281/2 मासाबटेनक, हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन भी धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

घर नं० 10-3-281/2 मासाबटेनक, हैदराबाद,

उसके बजुमे:

विपिन धेन्द्रा काघर

पश्चिम: मोरना भ्रब्दुल्ला का घर

श्राम रास्ता

दक्षिण: सम्पत्ति, श्रन्तरिक का है।

इम मम्यत्ति रजिस्ट्री की गई है । दस्तावेज नं० 2127/76

उर रजिस्ट्री कार्यालय, कैरताबाद, हैवराबाद में।

एस.० वेंकटरामन सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 8-8-1977

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

द्यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर धायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, निजामाबाद निजामाबाद, दिनांक 9 ध्रगस्त 1977

भायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से घधिक है श्रौर जिसकी सं० मिलक बाग नं० 6-15-1479, 1480, 1496, गुरबा आबादी रास्ता, निजामाबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय निजामाबाद में रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के म्रधीन 24-3-1977 पूर्वोक्त सम्यत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके बुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है मौर अन्तरक (मन्तरकों) मौर अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) झन्तरण से हुई किसी द्याय की बाबस, उक्त प्रधिनियम के झधीन कर देने के झन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में पृविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय मा किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ने लिए;

भ्रत: भ्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, भी, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत:--- श्रीमती तोड पुनुर श्रनजम्मा पत्नी, टी० श्रार० पनडरी देवी रोड, निजामाबाद में ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती पदमालिनगम्मा पती पदमा धिन्य्या घर नं ० 7-3-6 मिरधी कमपोन्ड, निजामाबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जनत सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रष्ट होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिल (यन्त्र के झलावा) सम्पत्ति का भाग म्यूनिसिपल नं 6-15-1479, 1480, श्रौर 6-15-1496 गुरजा श्राबादी के पास, निजामाबाद में है जिसका विस्तीन 1811-11 वर्ग यार्ड है मीडोन हाल कुली पलेट फार्म वर्गरा रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज नं 1315/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय-निजामाबाद में ।

उसके ग्रनाप में :

पूर्वः कुलीजमीन

पश्चिमः गुरब्बा श्राबादी रास्ता

उत्तर: वेनकटेश मिल

दक्षिण: एम० बन्सीलाल का मिल।

के० एस० वेंकटरामन सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, निजामाबाव

दिनांक: 9-8-7.7

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

षायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) े ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायंकर ग्रायूक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 श्रगस्त 1977

निदेश सं० ग्राई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/ 77-78/878---श्रतः मुझे, रा० कु० वाली, श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) इससें जिस इसके पश्चात् (उक्त ग्राध-नियम, कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारियों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० मे अधिक है ग्रीर जिसकी सं० कच्चा मकान है, जो रायपुर में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर, में रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-1-77 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के के लिए भन्तरित बुश्यमान प्रतिफल की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिधक - धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिसी (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिबित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम, या धनकर धिधिनियम, या धनकर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त धिधिनियम, की घारा 269ग के धनुसरण में, मैं, उक्त धिधिनियम की घारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिस व्यक्तियों, धर्यातः -- श्रो सुधीरकुमार बोस पुत्र श्री शरदचन्द्र बोस सिवासी बुद्धापारा, रायपुर

(ग्रन्तरक)

 श्रो दीनमणि शंकर, पुरोहित पुत्र श्री शिवलाल पुरोहित निवासी महात्मा गांधी रोड, रायपुर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिसबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण—इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक कच्चा मकान साथ में खुला भूमि मकान नं ० 15/613 (भाग) स्थित रिखया पारा वार्ड, जबाहर नगर, रायपुर।

> रा० कु० बाली मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 8-8-77

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 ष(1) के ग्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 श्रगस्त 1977

श्रौर जिसकी सं० प्लाट है, जो ग्राम टोंडी, मन्दसौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मन्दसौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 7-1-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है गौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है गौर प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) शौर प्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबा उक्त श्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उन्त समिनियम को घारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीत्:—-

- 1. (1) श्रीमती स्राभा पत्नि श्री स्रनिल कुमार ग्प्तंत
 - (2) श्री मुशील कुमार पुत्र श्री लाला दलाल मिंह गुप्ता
 - (3) श्री नानालाल पुत्र श्री ऐकालिगन जी सानी सभी निवासी मन्दसौर ।
 - (1) श्री सुरेश चन्द पुत्र श्री गोपी किशन गोयल निवासी नीमच (म० प्र०)

(भ्रन्तरक)

 मैंससं राजाराम एण्ड ब्रादर्स, सन्दर्सीर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधीहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्स ग्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भृमि का एक श्रविकसित प्लाट, खमरा नंज 181व 182 स्थित ग्राम टोंडी, मन्दसौर ।

> रा० कु० बाली स**क्षम प्राधिकारी,** स**हायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण),** श्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-8-77

प्रारूप आई० टी० एन एस०---

अधिकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्राम

मद्रास, दिनांक 30 जुलाई 1977

निदेश सं० 2/डीईसी/ 76-77—यतः, मुझे, एस० राजरत्नम, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत ग्रधिनियम', यहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपये से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० 62 है, जो वरदा म्लीयप्पन स्ट्रीट, मद्रास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय मद्रास (पन 327/76) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-12-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वकित सम्पत्ति का उचित बाजार मत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशतसे श्रधिक है और मन्तरक (भन्तरकों) ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियो) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तर्ण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- श(३) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त अधिनियम के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथाँत :— 1. श्रीमती एम० कुमुदबल्ली तायार

(भ्रन्तरक)

2. श्री एन० सुम्मन्ना

(ग्रन्तरिती)

- 3. (1) श्री एस० सेशगिरि राव
 - (2) श्री एस० लक्शमया चेट्टी

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बाद्य किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रभ्रोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त गान्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रष्ट्याय 20-क में परिभा-षित हैं, वहीं भर्ष होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास , बरदा मुन्नीयप्पन स्ट्रीट, डोर सं० 62 में 1624 स्थवायर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

> एस० राजरत्नम, सक्षम प्राधिकारी, स्रहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 30-7-77

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भाषकर भश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के भश्चीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, मद्रास

मदास , दिनांक 30 जुलाई, 1977

निदेश सं० 6/डी०ई० सी०/76-77—श्रतः, मुझे, एम० राज-रत्नम,

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से भिधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस० सं० 15/2 है, जो पुन्जे, ईडियार मेलमुगम गांव, नामक्कल तालुक, में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, वेलूर (पत्न सं० 1666/76) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 6-12-76 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के श्रीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उस्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिनियम, या धन-कर घिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए:

अत: ग्रंथ, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में. में. उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयति :-- 1. श्री वी० ई० चन्द्रसेकरन

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती एम० सरस्वती

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी श्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला नामक्कल तालुक , पुन्जै ईडैयार मेलमुगम गांव एस० सं० 15/2 में $20\frac{1}{2}$ सेंट की भूमि ।

एस० राजरत्नम, स**क्षम** प्राधिकारी, स**हा**यक आयंकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक 30-7-77 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्राम, दिनांक 30 जुलाई 1977

निवेश सं० 9/डीईसी/76-77--यतः मझे एस० राजरत्नम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रमीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है प्रौर जिसकी सं० 70 है, जो मन्नारसामि कोईल स्ट्रीट, मद्रास में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुभूची मे ग्रीर जो पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय रायपुरम (पत्न सं० 876/76) में भारतीय रुजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 3-12-1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर ग्रन्तरक (अन्तरकों) भीर ग्रन्तरिती (भ्रन्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिस मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी ग्रायकी बाबस उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी थाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

म्रतः अब, उन्त मिन्नियम, को धारा 209-ग के मनुसरण में, मैं, उन्त मिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मिन्नीलियत व्यक्तियों, मर्यात् :--- श्रीमती पट्टम्माल श्रौर ग्रादि।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती एस० सक्करसेवरी

(भ्रन्तरिती)

- 3. (1) श्री दर्म राजन,
 - (2) श्री बाल कृष्णन
 - (3) श्री मुब्बह्मनियम
 - (4) तंगमणि ।
 - (5) मुरूगसामि ।

(वह व्यक्ति , जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हित-बद्ध किसी घ्रन्य व्यक्ति द्वारा अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

मब्रास 13, रायपुरम, मन्तारसामि कोईल स्ट्रीट, डोर सं० 70 (म्रार०एम० 976) में एक ग्राउन्ड ग्रीर 69 स्क्रुयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

> एस० राजरत्नम सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मब्रास

दिनांक 30-7-77 मोहर : प्ररूप भाई० टी० एत० एस० ---

1. श्री एन० गुरुसामि नायुडु

(भ्रन्तरक)

ग्रायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-], मद्राम

मद्रास, दिनांक 30 जुलाई 1977

निवेश मं० डीईसो/76-77--यत: मुझे एस० राजरत्नम भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके नश्वात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में श्रिषक है

और जिसकी सं०पैमाईश मं० 44/5 है, जो नयी पल्लीपालयम रोड, ईस्ट कालनी, कोमारणालयम, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोमारणालयम (पत्न मं० 1623/76) में भारतीय र्जिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 18-12-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकं दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है :—-

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी भ्राय भी बाबत, उक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी बारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रश्न, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-थ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- 2. श्रीमती सुशीला श्रम्माल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त मध्यों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अभु सुची ।

कोमारपालयम, ईस्ट कालनी, नयी पल्लीपालयम रोड, पैमाईश सं० 44/5 में 3101 3/4 स्क्वायर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

> एस० राजरत्नम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक 30-7-77 मोहर : प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1 मद्राम

मद्रास, दिनांक 30 जुलाई 1977

निदेश मं० 44/डोईमी/76-77—यनः मुझे एस० राजरत्नम श्रामकर श्रधिनयम, 1961 (1961 का 43)की धारा 269-भ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 25, काक्का तोष्पु स्ट्रीट है, जो मदुरै में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पन्डमन्डपम (पत्र सं० 1463/76) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर, 1976

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी द्याय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269म के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) क श्रधीन, मिम्मिखिस व्यक्तियों, श्रथीत:—

1. श्रीमती के० बी० सीतालक्ष्मी वरामीयर

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती एम० गारदा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संगित के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
 किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 जिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो 'जन्स श्रधिनियम' के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै, काक्का तोष्पु स्ट्रीट, डोर सं० 25 में 2530 स्क्वायर फीट की भूमि (मकान के साथ) ।

> एस० राजरत्नम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 30-7-1977

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज भुवनेष्वर

भुबनेश्वर , दिनांक 17 श्रगस्त 77

निर्देश सं० 49/77-78/ ग्राई० ए० मी० (ए० / ग्रार०)/ भुवनेश्वर:—यतः, मुझे, ग्रमरेन्द्र नाथ मिश्र आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० खाता तं० 756 है, जो मौजा विद्याधरपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जयपुर (कोरा-पुट) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 25-11-76

का 16) के अधीन, तारीख 25-11-76
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत धिक्षक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी भाय या किसी धन या घन्य घास्तियों की जिन्हें भारतीय घायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः भन्न, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के भ्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, भ्रार्थात्:—

- 1. कै० एम० हुसेन
 - 2. के० एम० नुर
 - 3. के० एम० सुलतान

- के०एम० प्रबद्ला
- 5. के०एम० माधार
- के०एम० कृतबुदिन
- 7. के०एम० भ्रानिर
- 8. के० एम० साबिरहुसेन
- 9. के० एम० समसुरर हिमन
- 10. के० एम० गाभ्रुम
- 11. के० एम० तागुदिन
- 12. के० एम० सागानिबेगम्

(ग्रन्तरक)

(2) कैलाश चान्द श्रग्रवाला

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजीव के लिये कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के भविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण----ध्समें प्रमुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिक्ष-नियम के ग्रध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रपर महला मकान जयपुर टाउन का मुख्य रास्ता के पिक्चम भाग में स्थित हैं। ए० मी० श्रो० 0.080 डेसिमाल एण्ड ए० मी० श्रो० .009 डेसिमल जमीन जयपुर टाउन का विद्याधरपुर मौजामें नं०-69 प्लाट श्रौर 70/1106 प्लाट पर स्थित है; जिसके खातानं० 756 है।

ग्रमरेन्द्र नाथ मिश्र स**क्षम प्राधिकारी** सहायक ग्रायकर ग्रा**युक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेंज, भुवनेक्वर

तारीख: 17-8-77

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

भायकर भिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के अधीन सूचना

भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज बंगलुर

बंगलूर, दिनांक 11 श्रगस्त 77

निर्देश सं० सी० श्रार० नं० 62/7320/76-77/एसीक्यू०10)
:—यतः, मुझे, जे० एस० राव
भायकर ग्रिश्वित्रयम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
परवात 'उक्त ग्रिशित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
ग्रिश्वीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द०
से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 19 है, तथा जो लूयीस रोड, कुकटौन सिविल स्टेशन बंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर, में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनिय, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन सां० 16/12/1976

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमाम प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत मिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्त-रितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से बुई किसी भाग की नामत, उक्त अधि-नियम के भधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के सिए; गौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या शाय शास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर शिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीक्षिनियम या धन-कर श्रीक्ष-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य श्रासरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग क श्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन; निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. मैंसर्स मैनी बाम्यन स्नेहलता चल्लप्या पत्नी टी॰ चल्लप्या भ्रौर दो बेटी
 - 2. मैसर्स प्रियलता, शकीला, टेलफर,
 - कुमारी मिल्लिक्का सुहासिनी चल्लपा 8,
 कादर नवाब खान रोड बुगमबाकम , मद्रास-34 (श्रन्तरक)
- (2) कुमारी मोहिनी तोलाराम, सुपुत्री श्री तोलाराम, नं० 16, डिकास्टा लेग्रीर,बेंगलूर-5

(ग्रन्तरिती)

को यहसूबना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं ग्रपं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

(दस्तावेज सं० / 733/76-77 ता० 16/12/76)। सारा संपत्ति का जो० सं० 14, लूईस रोड, कुक टौन, सिविल स्टेशन, बेंगलूर । बांध :

उ०--सं० 6, है स्ट्रीट द०---लूईस रोड प०----7, लूईस रोड, प०----खाली जगह

> जे० एस० राव सक्षम प्राधिका**री** सहायक **ग्रा**यकर **ग्रायु**क्त (नि**रीक्ष**ण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीखा: 11/8/77

मोहर :

4-216GI/77

प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०----

भ्रायकर म्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 जुलाई, 77

निर्देश सं० सी० प्रार० नं० 62/ 7846/76-77/ एसी० क्यू०-बी० :—यत:, मुझे, जे०एस० राव आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाच करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित्र बाजार मृष्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 36-6-7 (कवा) है, तथा जो डिकनसन रोड, सिविल स्टेशन , बंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनिय, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, ता० 13/12/76

(1908 को 16) के प्रधान, तार्व 13/12/76
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए ग्रन्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भौर भन्तरक
(अन्तरकों) और भन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे
प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुमरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के मधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, ग्रथीत्-

- (1) श्रांमती लक्ष्मी दास सि० सुपुत्र श्री बि० चिंबलदें से 14-ए० इनफेन्ट्री रोष्ठ, सिविल स्टेशन, बेंगलूर। (ग्रन्तरक)
- (2) मैसर्स ''सीं० ग्रार० एन्ड सन्स'' 36-सीं०, डिकनसन रोड, बेंगलूर-92।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्पर्व्हाकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पद्यों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० / 703/76-77 ता० 13/12/76)। मारा संपत्ति का जे० सं० 36-सी०, 7 (नवा) डिकनमन रोड, , सिविल स्टेशन , बेंगलूर बांध :

पूर्व : सं० 36-बी० , 8 (नवा) डिकनसन रोड

पश्चिम : पैंबेट भपरटी

उत्तर : सं० 1,

दक्षिण : डिकनसन रोड

जे० एस० राव सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बेंगलुर

तारीख : 29/7/77

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 भ्रगस्त 77

निर्देश सं० सी० श्रार० नं० 62/ 76-58/76-77/ ए० मी० क्यू० / बी० :—पत:, मुझे, जे० एस० राव श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० ये ग्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० 28, 29 (नवा) है, तथा जो गेशाद्री रोड, श्रानन्दराव सर्कल बंगलूर-9 में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15/12/77

को पूर्वोक्त गम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और मन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप ने कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रीकिनियम के श्रश्वीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री एस० एन० श्रीनाथा सुपुत्र स्व० डा० एस० एन० प्रसाद सं० 30, शेषाद्री रोड, श्रानंदराय सरकल, बंगलूर-9

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्स होटल द्वारका सं० 721, 1 काम, 5 ब्लाक राजाजी नगर बंगलूर -10

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप---

- (क) इस मुख्या के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार(;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबज्ञ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रिधिनियम, के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं प्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

(दस्तावेज सं० 1723/76-77 ता० 15/12/76)। पुराना 28 ,नवा 29, शेशाद्री रोड, श्रानंदराव सरकल बंगलूर-9, (डिविजन 14)।

पु०: देवेंद्रप्पाका

बांध :

 ${
m qo}$: संo 2/7/, 220 श्रौर सुबेदार चमन रोड,

उ० : सं० 30 ग्रौर 30/1 एस० एन० श्रीनाथ का ग्रौर गेगात्री रोड ,

दः श्रीमती चोक्कम्माकाश्रीर शेशम्मा काश्रीर प्यास-सेज $3^{1}_{2} \times 25'$

> जे० एस० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 9-8-77

प्ररूप द्वाई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-च (1) के भधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 अगस्त 77

निर्वेश सं० सी० ग्रार० नं० 62/ 7664/ 76-77/ ए०सी०-क्यु० / बी० :---यतः, मुझे, जे० एस० राव बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/-रुपये से मधिक है स्रोर जिसकी सं० 15, पुराना 50/56 है, तथा जो तोटद देवर गली, 19 डिविशन बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय , गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 1908 का 16) के श्रधीन, ता॰ 15/12/76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का जित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत धर्धिक है धौर धन्तर्क (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित महीं किया गया है:---

- (क) घन्सरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रिष्ठि-नियम, के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में संविधा के लिए;

मतः मय, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धन्-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत :--- (1) श्रीमती पदमाव तम्मा पत्नी स्व० रा० श्रक्षस्यप्पा नं० 453, राजामहल विलास एक्सटनशंन, बेंगलूर-6।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जतीन्द्र कुमार श्रार० शा० सुपुत्र श्री रमणिक लाल, प्रकाश सैंकल स्टोरस, ग्रारकाट श्रीनिवासा स्ट्रीट, बेंगलूर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक कि किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वल्डोकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रथें होगा, जो उस भ्रष्टवाय में दिया गया है।

अमु सूची

(दस्तावेज सं० 1693 /76-77 ता० 15/12/76)। सं० 15,पुराना 50/56,तोटद देवर गल्ली 19 खिवशन,

बेंगलूर । बांध :

पू० : रा० रामचन्द्र का
प० : तोटव देवर गल्ली
उ० : नश्यद पिल्लम्मा गल्ली
द० : मरी स्वामी मटद गल्ली

जे० एस० राव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण)**; श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 8-8-77

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीम सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 अगस्त 77

निर्वेश सं० सी० भ्रार० नं० 62/7669/76-77/ए० सी० क्यू०-बी०:—यतः, मुझे, जे० एस० राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ र० से श्रिक है

ग्रौर जिसकी सं० 34,3 (नवा) है, तथा जो पहला मैंन, 5 ब्लाक, कु० पा० वे बंगलूर-20 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रभीत वारीखा 13-12-1976 को

(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 13-12-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है मीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भीर धन्तरक (अन्तरकों) मोर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रान्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीम कर देने के अम्तरक के दायिक्ष में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय माय-कर मिमियम, 1922 (1922 का 11) या 'उवत मिमियम' या धन-कर मिमियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः मन, उनत मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं; उक्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपसारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः :--- (1) श्रीमती टी० म्रार० जयम्मा गोविंदा, पत्नी म्रार० गोविंदा, नं० 16, 4 कास, 9 ब्लाक, कुमारा पार्क वेस्ट, बेंगलूर-20

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० एन० नागराज, सुपुत्न श्री नंजय्य, नं० 2, एलप्पा मकान 111 मैन, नवा गड्डदहली, मैजान रोड, बेंगलूर-26

(ग्रन्तरिती)

(3) मैंसर्स शिव शंकर राजनसी नं० 3, 1 मैंन 5 ब्लाक कु० पा० वे० बेंगलूर-20 ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उनत धिनियम', के भ्रष्ट्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, बही भर्ष होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनु सूची

[दस्तावेज सं० 1653/76-77 ता० 13-12-76 |] सारा संपत्ति का जो सं० 3 (नवा) 34 (पुराना) 1 मैंन; 5 ब्लाक, कु० पा० वे० बेंगलूर-20 बांध:

पूर्वः 1 मैन रोड

पश्चिम : दूसरा संपत्ति (स्रार० कृष्णप्पा)

उत्तर : रगुनाथराघ का दक्षिण : बी० बरुवर्लिगप्या का

> जे० एस० राव, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 8-8-77

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 8 श्रगस्त 77

निर्देश सं० सी० म्रार० नं० 62 / 7676/ 76-77 / ए० सी० क्यू० / आई:---यत:, मुझे, जे० एस० राव प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० 1 (नवा) निवेशन 85 है, तथा जो II रोड, नंदीदुर्ग एक्सटेंशन, बेंगलूर डि० सं० 46 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता॰ 3-12-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिकल के लिए झन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भ्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के भधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ध्रतः धव, उक्त ध्रधिनियम की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, भै, उक्त ध्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ध्रधीन, निक्मिलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) 1. श्रीमती 1. कमलाम्मा जे० के० गौड पत्नी स्व० जे० के० गौड
 2. श्री बी० एम० दिवाकर सुपुत्र स्व० जे० के० गौड रोराब, शिवभोग डिसट्रिक्ट
- (2) श्री एम० जी० कदाली सं० 80, रानोजी राव रोड बसवनगुडी, बेंगलूर-4

(अन्तरिती)

(ग्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 किन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम, के ध्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भ्रथें होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1574/76-77 ता० 3-12-76) नवा सं० 1 निवेशन 85, II रोड, नदीदुर्ग एक्सटेन्शन, डिविशन 46, बंगलूर,

बांध :

पू० : निवेशन सं० 89

प० : रोड उ० : रोड

द० : निवेशन सं० 86

जे० एस० राव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण), भ्रजैन रेंज, बंगलूर

तारीखा: 8-8-77

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 श्रगस्त 1977

निर्देश सं० सी० ग्रार० नं० 62 / 7679 / 76-77 / ए० मी० क्यू० (बी०) --- यतः, मुझे, जे० एस० राव न्नायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० रो प्रधिक है और जिसकी सं० 20, 22 (नवा) है तथा जो 10 कास कब्बन पेट, बंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, ता० 1-12-76 को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रार भ्रन्तरितो (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में सस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबन, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपद्यारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:——

- (1) 1. श्री एस० ग्रानंद सुपुत्र राम सदाशिवप्पा
 - 2. श्री एस० ग्रशोक मुपुत्र एस० सदाशिवप्पा
 - श्री एम० सदाशिवण्या सं० 178, 5 सन रोड IV ब्लाक जयनगर, बंगलूर। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती के०बी० राजेख्वरी पत्नी बी० तिम्माप्पा 5, 10 कास, कब्बन पेट, बेंगलूर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रवधि को भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त मब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त भ्रष्टि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही मर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

श्रनुसूची

[दस्तावेज सं० 1567 | 76-77 ता० : | 12 | 76] सं० 20, 22 (नवा), 10 कास, कब्बन पेट, बंगलूर बांध :

पू०: 10 कास रोड प०: काटेय्या का

उ० : देवनह्ली पुट्टम्मा का

द० : रंगप्पा का

जे० एस० राव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण), घ्रजन रेंज, बंगलूर

तारीखा : 8-8-77

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

धायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलौर, दिनांक 29 जूलाई, 1977

निर्देण सं० सी०श्रार० नं० 62/9282/77-78/एसी०क्यू/बी०—यतः, मुझे जे० एस० राव श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० नवा 7 है, तथा जो 6 क्रांस रोड, हिन्तम् रोड, बंगलौर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 20/4/1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरित (ग्रन्तरित में) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखत में वास्तिविश रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य ध्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ध्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती पिल्लम्मा पत्नी टी० नागप्पा नं० //14' जयमहल एक्सटेंशन, बंगलीर

(अन्तरक)

(2) श्री बी० रामनुजुलु नायडू सुपुत्र स्व० वेंकटस्वामी नायडू नं० 6 अशोका रोड, बंगलीर

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन केंलिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी शन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1/7/73-78 ता० 20/4/77]। नवासं० 7, 6 क्रासरोड, हिचनस रोड,बंगलीर बांध :

पूर्व: सं० 63

पश्चिम : 25' रोड क्रास

उत्तर : सं० 57 दक्षिण : 25' रोडकास

> जे० एस० राव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलौर

तारीख : 29/7/77

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-म (1) के भिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 अगस्त 77

निवेश नं० 1684:—यतः, मुझे बी० एस० दहिया, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/- कपए से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रन्सूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित हैं (श्रीर इस से उपाबद्ध अनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकत श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, ता० दिसम्बर, 1976।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ग के श्रनुसरण में, में उक्त श्रविनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रद्धीन, निम्नलिटित, व्यक्तियों, श्रयीत् --

5-216GI/77

(1) श्री नरीन्द्र कुमार पुत्र श्री बद्री दास, मन्दिर वाली गली, बाजार नौरीयां जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री धर्म चन्द पुत्र श्री गूरदिता मल, सुभाष चन्द तथा ग्रशोक कुमार पुत्र श्री धर्मचन्द, डब्ल्यू० ई०-70, श्रल्ली महल्ला, जालन्धर। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर नं० 2 में है । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्स सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 भविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पटिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

दुकान जैसा कि विलेख नं० 4991 दिसम्बर, 76 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी, स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),** ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 11-8-77

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 अगस्त 1977

निर्देश नं० 1685 — यतः, मुझे बी० एस० दहिया भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपए से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रतूसूची में है है तथा जो गरीन पार्क, जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यायल जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रति-फल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर अन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सें उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्स श्रधिनियम, के ग्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य मास्तियों को, ।जन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम या धन-कर प्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में युविधा के लिए;

धतः श्रयः, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण मे, मैं, उनत श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथितः— (1) श्री गुरपरीत सिंह, 2 जयगरीत सिंह पुत्र श्री राजिन्द्र सिंह, 3 राजबन्त कौर पुत्री श्री राजिन्द्र सिंह् 4. राजिन्द्र कौर विधवा श्री राजिन्द्र सिंह, 491, माडल टाउन, जालन्धर ।

(श्रन्तरक)

- (2) श्री साधु सिंह पुत्र श्री नारायण सिंह पुत्र श्री वरयाम सिंह, 455, एल०, माडल टाउन, जालन्धर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके जारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी व्यवितयो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मण्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वही आर्थ होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अनुसुधो

भूमि जैसा कि विलेख नं० 4403 दिसम्बर, 76 को रजिस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एम० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 11-8-77

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 श्रगस्त 1977

निदेश सं० 1686 — यतः, मुझे बी० एस० वहिया भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो मोता सिंह नगर जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरित (श्रन्तरित श्रीं) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (छ) ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्सर्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव उक्त प्रधिनियम, की घारा 269ग के प्रतृसरण में, में, उक्त ध्रधिनियम की घारा 269-ध की उपद्यारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !--

- (1) श्री लाल सिंह पुत्र चौधरी गेर सिंह पुत्र श्री गुर-मुख सिंह निवासी शहबाजपुर, तहसील दसूहा (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हरबंस सिंह ग्रातवाल पुत्र श्री गुण्बचन सिंह पुत्र श्री ठाकल सिंह, निवासी चिट्टी, तहसील जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति म रुवि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहरूतक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारांख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त णव्यों श्रीर पर्यो का, जो जक्त श्रीधनियम, के श्रध्याय 20 कमें परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 4464 दिसम्बर, 76 को रिज-स्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> वी० एस० दिह्या, श्रर्जन रेंज, जालन्धर सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 11-8-77

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 ग्रगस्त 1977

निदेश सं० 1687—यत:, मुझे बी० एस० दहिया धायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— ६० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में है तथा जो परीत नगर, जालन्धर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1977 को

क अधान, ताराख जनवरा, 1977 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत श्रधिक है भौर भन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं कियागया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के भ्रन्सरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भास्तिणों की जिन्हें भारतीय श्रायकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियागया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः मब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :---

- (1) कुमारी सरला कौशल पुत्ती श्री राम सरन दास
 2. श्री रमेश चन्द्र पुत्र श्री राम सक्ष्य जी० ए०
 ग्राफ श्रीमित शीला गुष्ता पुत्नी श्री राम सरन दास
 816 कालका जी एक्सटेंशन, नई दिल्ली।
 - (भ्रन्तरक)
- (2) 1. श्री जय किशन 2. रमेण कुमार 3. श्री जय प्रकाश पुत्र श्री पतराम दास मार्फत मैं० बंसल सरील सपलाई कम्पनी, टाटा रोड, जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्मत्ति में किच रखता हो (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवह है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ध्रविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी
 ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 च्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

श्वाकरण:—इस में प्रयुक्त शब्दों का, जो घ्रायकर घ्रधिनियम
1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20क
में परिभाषित है, वहीं घर्ष होगा, जो उस
घष्ट्याय में दिया है।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि विलेख नं० 5686 जनवरी, 77 को रजि-स्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम श्रधिकारी, स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),** श्रर्जन रेंज, जालन्धर

ता**रीख**: 11-8-77

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

धायकर ग्रिविनयम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भ्रष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 अगस्त 77

निदेश नं 1688:— यतः, मुझे बी ० एस० दहिया आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्रत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रु० से ध्रधिक है

न्नौर जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में हैं तथा जो लाडोबाली रोड, जालन्धर में स्थित हैं (ग्रीर इस उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीरपूर्ण रूप संवर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, नारीख जनवरी, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भ्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है, भीर भन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अघिनियम की धारा 269ग के धनुसरण में, में. उक्त अघिनियम की घारा 269 घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री गुरबीस मिह पुत श्री नत्या सिंह, गांव गिल, तहसील नवीदर

(भ्रन्तरकः)

- (2) श्री प्यारा सिंह पुत्र श्री जीवन सिंह, इ० जी० 46 ए०, लाडोबाली रोड, जालन्धर ।
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहम्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस यूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम, के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रथें होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया ं हैं।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि विलेख नं० 5671 जनवरी, 77 की रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के जालन्धर में लिखा गया है।

> बी० एम० दहिया, स**क्षम प्राधिकारी,** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, जालन्धर

नारीख : 11-8-77

प्रकृप भाई० टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर धाय्कत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 श्रगस्त 1977

निदेश नं० 1689— यतः, मुझे बी० एस० वहिया आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रूपए से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रन्सूची में है तथा जो बस्ती विद्या में हो तथा जो बस्ती विद्या में हिथत है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत श्रधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के भन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: ग्रंथ, उथत श्रिधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :---

- (1) श्री श्रमर सिंह पुत्र श्री जैमल सिंह मार्फन संतनाम जनरल स्टोर, नजदीक पुरन चन्द चक्की, बस्ती दानीण मंदा, घर नं० डब्ल्यू० ग्रो० 129, जालन्धर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जगदीश लाल, मतीण कुमार पुत्र श्री हरी चन्द, मज्ञान नं० 114, बस्ती दानीणमंदा, जालन्धर। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो ब्यक्ति सम्यति में रुचि रखता हो (वह ब्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनवद्ध है)।

को यह मूतना जारो करके पूर्वोक्त मन्यत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी
 ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टोकरणः -- - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्य होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि विनेख तं० 4530 दिसम्बर, 76 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> बी० एस० वहिया सञ्जम प्राधिकारी, सहापक घायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**ख** : 11-8-77

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269 घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांकः 11 ग्रगस्त, 1977

निदेण नं० 1690 :~-यतः मुझे, बी० एस० दहिया। प्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनूसूची में है तथा जो लीवरां (जालन्धर) में स्थित है (श्रीर इस उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण का में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जनवरी, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह धिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरिनिणों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबस, उक्त श्रिक्षित्यम के अधीन कर देने के श्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/ या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्च अन्तरिर्ता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः श्रव, उक्त श्रधिनियम, को घारा 269-ग के प्रनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-श्र की उपश्रारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, धर्मातः— (1) श्री राजिन्द्र सिंह पुत्र श्री कर्म सिंह, ग्रमृत बाजार क्यूरथला ।

(श्रनः)

(2) श्री जसवंत सिंह पुत्र श्री वीर मिह 31-मार्डनं कालोनी, जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के झर्जन के सम्बन्ध में कोई भी झाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी ध्यितसयों पर सूचना की तामील से 3.0 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी भन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाचीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त घिः-नियम के षध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं घर्ष होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है ।

*ग्र*नुसूची

1

भूमि जैसा कि विलेख नं० 5548 जनवरी, 1977 को रजि-स्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> भी० एस० वहिया; सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

सारीख: 11-8-1977

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 ग्रगस्त, 1977

निदेश नं 1691:—यन: मुने, बी एस दहिया भायकर मिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिंधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के मिंधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से मिंधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनूसूची में हैं जो लीदरां (जालन्धर) में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिशकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, जनवरी, 1977।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और श्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के अधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किनी ग्राय या किसी घन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या घन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अन, उक्त श्रधिनियम की धारा 269 ग के श्रनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269 व की उपश्रारा (1) के अधीन निम्निखिखत व्यक्तियों, श्रशीत्:-- (1) श्री दर्शन सिंह, महीन्द्र सिंह पुत्र श्री किरपा औह, नकोदर रोड, जालन्धर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जनवंत गिह पुत्र श्री बीर :सह 31- मार्डन कलोनी जालन्धर ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) श्री मरदूल सिंह तथा दर्णन सिंह पुत्र श्री करतार सिंह
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य ध्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 5667 जनवरी, 1977 को रजि-स्ट्रीकर्ती ऋधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर,

तारीख: 11-8-1977

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जासन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 ग्रगस्त, 1977

निवेश नं० 1692:— यत: मुझे, बी० एस० दहिया भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/~ रू० से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रतूसूची में है तथा जो लीदरां (जालन्धर) में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जनवरी, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से मिलक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिधिनियम, के ग्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रतः भ्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:—- (1) श्री ग्रमरीक सिंह, सुरजीत सिंह पुत्र श्री किरपा सिंह, नकोदर रोड, जालन्धर ।

(भन्तरक)

(2) श्री जसवंत सिंह पुत्र श्री वीर सिंह, 31 मार्डन कालौनी, जालन्धर ।

(श्रन्तरिती)

- (3) श्री मरदूल सिंह तथा दर्शन सिंह पुत्न श्री करतार सिंह, (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हिन रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पक्ति के <mark>श्रर्जन के</mark> लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घालोप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रषे होगा जो उस भध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 5625 जनवरी, 1977 को रजि-स्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर घायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 11-8-77

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रॉज जालन्धर

जालन्धर, तारीख 11 अगस्त 1977

निर्देश नं० 1693—यतः मुझे, बी० एस० दहिया भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-रु० से अधिक है

म्रोरिजनको सं जैता कि प्रनुपूची में है तथा जो लोदरां जानन्धर में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ब्रौर ब्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का) के ब्रधीन, जनवरी 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त ग्रन्तरण शिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य घास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिताने में सुविधा के लिए;

भतः मन, उक्त घछिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त घछिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखन व्यक्तियों घर्षात्:---

- श्री दर्शन सिंह पुत्र श्री किरपा सिंह नकोदर रोड, जालन्धर (भ्रन्तरक)
- श्री जसवंत सिंह पुत्र श्री वीर सिंह 31-माडने कलोनी, जालन्धर

(म्रन्तरिती)

- श्री सरदूल सिंह तथा दर्शन सिंह पुत्र श्री करतार सिंह (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में संपत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
 भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जा उनत ग्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं 5584 जनवरी-1977 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रक्षिकारी जालन्धर में लिखा है ।

बी० एस० दहिया सक्षम भ्रधिकारी, महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, जालन्धर

तारी**ख**:- 11-8-1977 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर शिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

ज(लन्धर तारीख 11अगस्त 1977

निर्देश नं०—श्रतः मुझे, बी० एस० दिह्या ग्रायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उकत ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उदित बाजार मूख्य 25,000/- र० से श्रिधिक है

श्रौर जिमकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो लीवरा जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का)16) के श्रवीन, तारीख जनवरी 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिकात से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बायत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें, भारतीय भायकर भिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनयम, या धन-कर भिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नाम भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

भ्रतः भ्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वें भैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) ह अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री महीन्द्र सिंह पुत्र श्री किरपा सिंह नकोदर रोड, जालन्धर ।

(भ्रन्तरक)

 श्री जसवंत सिंह पुत्र श्री वीर सिंह 31-मार्डन कलौनी, जालन्धर ।

(भ्रन्तरितीः)

3. श्री सरदूल सिंह तथा दर्शन सिंह पुत्र श्री करतार सिंह (बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में संपत्ति है)

4. श्री/ जो व्यक्ति संपत्ति में हिच रखता है (वह व्यक्त, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजैन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध निसी अन्य ध्यन्ति द्वारा, श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

हपद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में पिरभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 5553 जनवरी-77 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्रधिकारी महायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख:11-8-77

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालंधर, दिनांक 11 अगस्त 1977

निवेश नं० 1695—स्रतः मुझे बी० एस० दहिया, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त धिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के धिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनूसूची में है तथा जो लीवरो जालंधर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनूसूची में भौर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिये धन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबस उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ध) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहियेथा, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः भव, उन्त मिमियम की भारा 269ग के भनुसरण में मैं, उन्त मिमियम की भारा 269 म की उपधारा (1) के सभीन निम्मलिखित व्यक्तियों, मर्थातु:-- कारतार कौर पुत्री श्री नगीना सिंह नकोदर रोड, जालन्धर

(ग्रन्तरक)

 श्री जसवंत सिंह पुत्र श्री वीर सिंह 31-मार्डन कलौनी, जालन्धर

(ग्रन्तरिती)

- 3. श्री सरदूस सिंह तथा दर्शन सिंह पुत्र श्री करतार सिंह (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में संपत्ति है)
- जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रघोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

.को यह सूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन भे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के शब्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्म होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

भम् सूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 5552 जनवरी, 77 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी जालन्धर में लिखा है

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर धायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 11-8-77

त्ररूप माई० टी० एन० एस०----

आयकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 11 ग्रगस्त, 1977

निदेश नं० 1696:——यत: मुझे, बी० एस० दिह्या, आयकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/— रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो लीदरां (जालन्धर) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जनवरी, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नविखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रतः घव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घं की उपधारा (1) के प्रश्रीन, निम्नालिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्री श्रमरीक सिंह पुत्र श्री किरपा सिंह नकोदर् रोड, जालन्धर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जसवंत सिंह पुत्रश्री वीर सिंह 31 मार्डन कालोनी, जालन्धर ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) श्री सरदूल सिंह तथा दर्शन सिंह पुत्र श्री करतार सिंह (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखताहो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के क्रिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
 श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही धर्य होगा जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 5551 जनवरी, 1977 को राज-स्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

सारीख: 11-8-77

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 भ्रगस्त, 1977

निदेश नं 1697: — यतः मुझे, बी ० एस ० दहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की द्यारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो लीदरां (जालन्धर) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जनवरी, 1977 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिष्ठितयम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या अस्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाराप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री सुरजीत सिंह पुत्र श्री किरपा सिंह नकौदर रोड, जालन्धर ।

(ब्रन्तरक)

(2) श्री जसवन्त सिंह पुत्र श्री वीर सिंह 31-मार्डन कलोनी, जालन्धर ।

(भ्रन्सरिती)

- (3) श्री सरदूल सिंह तथा दर्शन सिंह पुत्र श्री करतार सिंह (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रविध जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वहीं भर्य होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में थिया गया है।

मनुस्ची

जमीन जैसा कि विलेख नं० 5550 जनवरी, 1977 को रजिस्टीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजंन रेंज, जालन्धर

सारी**ख**: 11-8-77

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 11 श्रगस्त, 77

निदेश नं० 1698:—-यतः, मुझे बी० एस० दिह्या, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उबत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से श्रधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि श्रनुसूची में है, तथा जो लीवरां (जालन्धर) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, , 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1977। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से क्षित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के ध्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रधिनियम' या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रम, उक्त ग्रधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्र**र्थात्ः**— (1) श्री निर्मेल सिंह पुत्र श्री किर्पासिंह, नकोदर रोड, जासन्धर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री जसवंन्त सिंह पुत्र श्री वीर सिंह 31 मार्डन कालौनी, जालन्धर ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) श्री सरदूल सिंह तथा दर्शन सिंह पुत्र श्री करतार सिंह, (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी ध्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 5549 जनवरी, 77 को रजि-स्ट्रीकर्ती भ्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> बी० एस० दहिया । सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 11-8-77

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

आयकर श्रिघिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 ग्रगस्त, 77

निदेश नं० 1699:— यतः, मुझे बी० एस० दिह्या, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनसूची में हैं तथा जो बस्ती गुंजा (जालन्धर) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1977

क अधान, ताराख जनवरा, 1977
को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम
प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह दिश्यास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से ग्रधिक है भीर भन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर भन्तरिती
(ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्त्रिक
रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिविनयम के ग्रिवीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त प्रिधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः ग्रब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, 'उक्त प्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा(1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात्: — (1) श्री बलवन्त सिंह पुत्र श्री गुरदित्त सिंह, मक्रीन नं॰ 400, बस्ती गुंजा, जालन्धर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जगदीश राज पुत्र श्री मुन्शी राम मकान नं० 12, बस्ती गुंजा, जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:~-

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि विलेख नं० 5492 जनवरी, 77 को रिजस्ट्रीकर्ना स्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्छर

ता**रीख** : 11-8-77

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस० ----

आयकर ध्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के ध्रायीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 ग्रगस्त, 77

निदेण नं० 1700:—यतः मुझे, बी० एस० दहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सगित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो रामा मण्डी, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) घन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त श्रिधिनयम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निस्नलिखित व्यिक्षियों अर्थात् —= 7—216GI/77

(1) श्री दुनी चन्द पुत्र श्री बरीजु नजदीक हरी सिंह सरपंच गांव धीना, डाकखाना सन्सार पुर तहसील जालन्धर ।

(ग्रन्तरक)

(3) श्रीमती सन्तोष कुमारी पत्नि श्री चन्द्र प्रकाश मकान नं० 61/1, मुहल्ला 9, जालन्धर छावमी, तथा मार्फत चन्द्रप्रकाश बुक बाईन्डर, हर दयाल रोड, जालन्धर छावनी ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में मित्र रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उकत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपक्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रथ्याय 20क में परिभाषित है, बही ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान जैमा कि विलेख नं० 4916 दिसम्बर, 1976 को रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> बी० एस० दहिया, मक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख : 11-8-1977

प्ररूप ग्राई०टी० एन० एस०----

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रार्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 ग्रगस्त 1977

निदेण नं० 1701:—यत:, मुझे बी० एस० दहिया श्रायंकर श्रीधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त श्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के श्रीधीन सक्षम श्रीधिकारी को, यह विश्वास वरने वा कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रीधिक है,

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में हैं तथा जो सोडल रोड, जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर अन्तरिक (श्रन्तरिक)) ग्रीर अन्तरिती (श्रन्तरितयो) के बीच ऐसे भ्रन्तरिक (श्रन्तरिक)) ग्रीर अन्तरिती (श्रन्तरितयो) के बीच ऐसे भ्रन्तरिक के स्थित यय पाया गया प्रतिफल, निम्नकिष्टित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तर ण किष्टित से वास्तविक रूप से क्षित नही किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसो प्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था। या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः यब, उक्स श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रन्सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती प्रीतम कौर पत्नी श्री हरवक्श शिंह नैशनल स्टील मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी, सोडल रोड, जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रुवर्ण कोर पत्नी श्री भावीखान सिंह, भावीखान सिंह पुत्र श्री रत्न सिंह, गांव पलाही तहसील फगवाड़ा।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (बहुव्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिये कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित . में किये जा सकेंगे।

स्पध्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो जन्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया व गया है।

अनु पृ**च**।

जायदाद जैसा कि विलेख नं० 4574 दिसम्बर, 76 की रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> बी० एस० दहिया स**क्षम प्राधिकारी** महायक <mark>श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रुर्जन रेंज, जा**ल**न्धर

तारीख: 11-8-1977

मोहर ;

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज , जालन्धर

जालन्धर, दिनांक । । ग्रगम्त 1977

निदंश नं 1702:——यतः, मुझे बी एस विद्या प्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' नहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करमे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- २० से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में है तथा जो पुराना जवाहर नगर जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी, 1977। को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास

प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उवत ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है: →-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या झन्य ग्रास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की घारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:---

- (1) श्रीमती सबीत्री देवी पत्नी श्री भोम प्रकाण 13 बी०, पुराना जवाहर नगर, जालन्धर । (श्रन्तरक)
- (2) श्री रमेश सिह, दर्शन सिंह पुत्र श्री प्रेम सिंह, एन० ए०, 252, किशन पुरा, जालन्धर । (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में घ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:-

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपस्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्व
 किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास
 जिखित में किये आ सकेंगे।

स्पर्वाकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्राधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अ**म्सूची**

जायदाद जैसा कि विलेख नं० 6334 फरवरी, 77 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राप्तिकारी, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज. जालन्धर

तारीख: 11-8-77

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज, जालन्धर

जासन्धर, दिनांक 11 अगस्त 1977

निदेण नं० 1703:— यतः, मुझे, बी० एस० दिह्या मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो पुराना जवाहर नगर जालन्धर में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1977 को पूर्वोक्त सम्पित के उचित्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रम्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भौर श्रम्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रम्तरिती (श्रम्तरितियो) के बीच ऐसे श्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिश्चिम कर देने के श्रन्तरक के दायित्व मियम, के ग्रिश्चीम कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (का) ऐसे किसी झाय या किसी घन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रवि-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उस्त घिषिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उस्त प्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के प्रधीन: निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् ---

(1) श्रीमती सावित्री देवी पत्नी श्री श्रोम प्रकाण, 13-बी० पुराना जवाहर नगर, जालन्धर ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री मनोहर सिंह, ग्रवतार गिंह पुत्न श्री प्रेम सिंह, एन०ए० 252, किंगन पुरा, जालन्धर
 - कि समा सं ० में ने (का स्वित्त निस्के
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति हैं)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अभुसूची

जायदाद जैसा कि विलेख नं० 51 भ्रप्रैल—77 को रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> बी० एस० दहिया सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 11-8-77

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 18th July 1977

No. A.32013/3/76-Admn.I.—In continuation of this office notification of even number dated 31-5-77 the President is pleased to appoint Shri M. S. Thanvi, an officer of the Indian Revenue Service (Income Tax) as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from 1-7-1977 or until further orders.

P. N. MUKHERIEE, Under Secy. Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 27th July 1977

No. A.32014/1/77-Admn.III(1).—In continuation of this office notification of even number dated 24-6-77, the President is pleased to appoint Shri R. K. Mago, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Gde, of the service for a further period from 17-7-77 to 31-7-77 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/77-Admn.III(2).—In continuation of this office notification of even number dated 23-5-77, the President is pleased to appoint Shri G. K. Samanta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service coare of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 17-7-77 to 31-7-77 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.320.14/1/77-Admn.III(3).—In continuation of this office notification of even number dated 23-5-77, the President is pleased to appoint Shri B. B. Das Sarma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 13-7-77 to 27-8-77 or until further orders, whichever is earlier.

The 5th August 1977

No. A.32014/1/77-Admn.III(2).—In continuation of this office notification of even number dated 20-7-77, the President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 14-8-77 to 31-8-77 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/77-Admn.III(3).—In continuation of this office notification of even number dated 27-7-77, the President is pleased to appoint Shri R. K. Mago, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 13-8-77 to 31-8-77 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/77-Admn.III(4).—In continuation of this office notification of even number dated 20-7-77, the President is pleased to appoint Shri I. J. Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 12-8-77 to 30-8-77 or until furthers orders, whichover is earlier.

P. N. MUKHERIEE, Under Secy. (Incharge of Administration), Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R. CFNTRAL BUREAUE OF INVESTIGATION

New Delhi, the 19th July 1977

F. No. K-11/71-Ad.V.: -Consequent on their appointment in the Shah Commission of Inquiry the service of S/Shri K. G. Vidyasagar, A. Chakravarty and A. K. Majumdar, Deputy Sundts. of Police, Central Bureau of Investigation, New Delhi have been placed at the disposal of the Shah Commission of Inquiry wef the forenoon of 25th June, 1977.

The 22nd July 1977

No. A-19020/3/75-Ad.V.—Consequent on his appointment as Dy. Inspector General of Police (Range) Delhi, the services of Shi Y. Rajpal, DIG, C.B.L., New Delhi (IPS-Madhya Pradsh—1957) have been placed at the disposal of the Delhi Administration with effect from forenoon of 20th June, 1977.

He relinquished charge of his office in C.B.I. on thefore-noon of 20th June, 1977.

P. S. NIGAM, Administrative Officer (E) C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 5th August 1977

No. O.H-1068/77-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. K. Jagannath Rao, as G.D.O., Gd. H (Dy. S.P./Coy. Comdr.) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 12th July, 1977 until further orders.

A. K. BANDHOPADHYAY, Asstt. Dir. (Adm)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENFRAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-24, the 5th August 1977

No. E-38013(2)/3/77-Pers.—On transfer from Dewas Shri V. G. Thatte relinquished the charge of the post of Commandant CISF Unit, Bank Note Press, Dewas with effect from the afternoon of 5th July 1977.

L. S. BISHT, Inspector GeneralCISF

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) INDIA SECURITY PRESS,

Nasik Road, the 16th July 1977

No. 696/A.—The undersigned hereby appoints Shri Shiv Raj Sharma as Purchase Officer in the India Security Press, Nasik Road in the revised scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity, with effect from 15th July, 1977.

D. C. MUKHERJEA, Gnl. Manager

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL COMMERCE, WORKS & MISCELLANEOUS

New Delhi, the 28th July 1977

No. ADMN.I/2(1)V/1799.—The A.G.C.W. & M. New Delhi has been placed to promote Shri M. R. Gupta, Section Officer (Audit & Accounts) as temporary Accounts Officer onl provisional basis in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from the forenoon of 6-7-77 in the office of the Sr. Dy. Accountant General, Commerce Works & Misc., Bombay, until further orders.

The 8th August 1977

No. Admn.I/2(1)/V/1848.—The A.G.C.W. & M. New Delhi has been pleased to promote Shri K. R. Burman (Section Officer, Audit and Accounts) as Accounts Officers in the scale of Rs. 840—1200 with effect from 15-7-77 (FN) in the Office of the Sr. Deputy Accountant General, Commerce, Works and Miscellaneous, Calcutta on temporary and provisional basis.

S. S. MANN, Deputy Accountant General

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL KARNATKA

Bangalore, the 2nd August 1977

No. ESI A4/77-78 382.—The Accountant General is pleased to promote Shri T. A. Srinivasan, permanent Section Officer to officiate as Accounts Officer in a purely temporary capacity until further orders, without prejudice to the claims of his seniors, if any, with effect from the date of his taking charge.

M. A. SOUNDARARAJAN Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 3rd August 1977

No. E.B.I. 8-312 77-78/182.—The Accountant General Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri R. Rashavan a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 30-7-1977 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR SOUTH CENTRAL RAILWAY

Secunderabad, the 5th August 1977

No. Au/Admn./II/5/II/638.—Shri A Sandanasamy, Permanent Audit Officer of South Central Railway retired from Government service on superannuation with effect from 31-7-1977 (Afternoon).

S. MUKHERIEE, Deputy Chief Auditor

MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIFS SERVICE

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE, FACTORIES

Calcutta-16, the 3rd August 1977

No. 40/77/G.—The President is pleased to confirm the following officer in the grade of ADGQF Gr. I/GM Gr. I with effect from the dates shown against each:

- 1. Shri J. B. Saxena, Offg. GM(SG)—1st Nov. 1974.
- 2. Shri S. P. Sinha, Offg. GM(SG)-1st Apr. 1975.
- 2. Shri P. D. Pant, Offg. GM(SG) (Retd)-14th Oct. 1975.
- 4. Shri R. G. Deolalikar, Offg. GM(SG)—1st Feb. 1976.
- Dr. V. M. I. Nambissan, Offg. GM(SG)--1st Apr. 1976
- Shri J. C. Marwaha, Offg. ADG Gr. I/GM Gr. I— 1st May, 1976.

M. P. R. PILLAI Assistant Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 8th August 1977 IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/302/55-Admn(G)/5718.—The President is pleased to appoint Kumari S. K. Grewal, Deputy Chief Controller of Imports and Exports (Non-CSS) as Joint Chief Controller of

Imports and Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi purely on ad hoc and temporary basis for a further period of three months with effect frm 1-7-77 or till the regular arrangements are made, whichever is earlier.

A. S. GII I Chief Controller of Imports and Exports

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400020, the 2nd August 1977

No. CER/6/77.—In exercise of the powers conferred on nie by Clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment in the Textile Commissioners Notification No. T.C.(4)/58, dated the 7th March 1958.

In the Table appended to the said Notification in the column 2, for the existing entries against S. No. 2, the following shall be substituted:—

- (i) Joint Director of Industries (Textiles) / Dy. Director of Industries (Textiles).
- (ii) All Regional Officers (Industries) Additional and Joint Director of Industries and Dy. Director of Industries.
- (iii) All Project Officers (Industries) (R.I.P.)
- (iv) All Community Project Officers.
- (v) All District Industries Officers.

G. S. BHARGAVA Joint Textile Commissioner

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER, SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 12th July 1977

No. A-19018/261/76-Admn.(G).—On the recommendations of the UPSC the President is pleased to appoint Shri M. Mahabaha as Deputy Director (Mechanical) in the Small Industry Development Organisation with effect from the forenoon of 2nd June, 1977.

2. Consequent upon the appointment as Deputy Director (Mechanical) Shri Mahabala assumed charge of the post Deputy Director (Mechanical) in the Small Industries Service Institute, Trichur with effect from the forenoon of 2nd June, 1977.

V. VENKATRAYULU Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 8th August 1977

No. A-1/1(86) VII.—This Dtc. General Notification. No. Λ -1/1(86), dated 27-5-77 regarding reversion of Shri Ardaman Singh, Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service) to the post of Deputy Director of Supplies (Gr. II of the Indian Supply Service) with effect from the afternoon of 25th April, 1977 is hereby cancelled.

No. A-1/1(1100).—The President is pleased to appoint Shri C. Karunakaran, Sales Tax Inspector in the office of the Agrl. Income Tax and Sales Tax, Munnar, Devicolam to officiate as Assistant Director (Sales Tax) (Grade I) in the DGS&D, New Delhi on deputation basis with effect from 18-7-77 (FN) and until further orders.

KIRAT SINGH Dy. Director (Administration) for Director General of Supplies & Disposals

ADMN. SEC. A-6

New Delhi, the 8th August 1977

No. A-17011(124)/77-A6.—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints on ad hoc basis Shri K, K. Sabharwal permanent Examiner of Stores (Linge.) in the N1 Circle, New Delhi to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the same Inspection Circle under the Directorate General wef the afternoon of 22nd July, 1977 and until further orders.

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi, the 29th July 1977

No. A.11011/17/77-A6.—The President is pleased to appoint Brig. M. M. Talwar, a retired Military Officer, on reemployment basis as Officer on Special Duty in the scale of Rs. 2250—125/2—2500 in the Inspection Wing of the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi for a period of one year wef the forenoon of 2nd June, 1977.

2. On appointment as Officer on Special Duty, Brig. M. M. Talwar has been adjusted against the post of officer on Special Duty created vide Min. of Supply and Rehabilitation (Deptt. of Supply) letter No. I-12012/8/76-ES.II, dated 31-1-1977.

SURYA PRAKASH Dy. Director (Administration)

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES) INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 31d August 1977

No. A-19/12(85)/77-Fstt.A.—In continuation of this department's notification of even number dated 26th May, 1977, Shri G. C. Sharma, permanent Superintendent, Indian Bureau of Mines is allowed to continue as Assistant Administrative Officer in grade 'B' post in Indian Bureau of Mines on ad hoc basis upto 18-6-1977.

The 5th August 1977

No. A.19011(10)/70-Estt.A.—On his attaining the age of Superannuation on 31st May, 1977 (afternoon) Shri M. C. Basu Rai Choudhary, Pmt. Mineral Economist and Offg. Superintending Mineral Economist is relieved of his duties in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 31st May, 1977, and accordingly struck off the strength of the effective establishment of this department.

The 6th August 1977

No. A-19011(171)/73-Estt.A.—On his attaining the age of superannuation on 31st March, 1977 (afternoon) Shri Å. K. Raghvachari, Pmt. Administrative Officer and Offg Schoor Administrative Officer, is relieved of his duties in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 31st March, 1977 and accordingly struk off the strength of the effective establishment of this department,

No. A-19011(218)/77-Fstt.A.—The President is pleased to appoint Shri V. K. Jain, to the post of Chemist in the Indian Bureau of Minies in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30th July, 1977.

No. A-19012(94)/77-Fstt.A.—Shi R. S. Pathasia, permanent Head Assistant of Indian Bureau of Mines is appointed to officiate as Assistant Administrative Officer in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 30th July, 1977, until further orders.

L. C. RANDHIR Head of Office for Controller Indian Bureau of Mines

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 6th August 1977

No. F. 11/2-1/75-A.1.—Shri Rajinder Prasad, Asstruction of the state o

S. N. PRASAD Director of Archives

DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY NATIONAL ATLAS ORGANISATION

Calcutta-700019, the 1st August 1977

No. 29-16/77-Estt.—The undermentioned Field Officer (1d Senior Research Assistants are appointed as Junior Technical Officer in the National Atlas Organisation on a purely temperary and adhoe basis with effect from the date mentioned against them, until further orders:

Name			Date of appointment			
Field Officer						
1. Shri S. R. Biswas	-	•	i	•	•	8-7-1977 (F.N.)
Scnior Research As	sistan	ts				
1, Shri B. N. Ghosh	٠	•	•	•		8-7-1977 (F.N.)
2, Shri A. K. Sarkar		•	•	•	•	8-7-1977 (F.N.)
3. Shri J. B. Sen		•	•	•		8-7-1977 (A.N.)
4. Shei Shri Ram	•	•	•		•	8-7-1977 (F.N.)

S. P. DAS GUPTA Director

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 5th August 1977

No. 5/43/73/SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Lakpa Richoo Bhutia as Programme Executive, All India Radio, Kurseong in a temporary capacity with effect from 27th June, 1977 and until further orders.

No. 4(87)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Bala Sanjeevi Manikka as Programme Executive, All India Radio, Coimbatore in a temporary capacity with effect from 7th July, 1977 and until further orders.

The 6th August 1977

No. 5(18)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Kum. Usha Anand as Programme Executive, All India Radio Simila in a temporary capacity with effect from afternoon of 28th June, 1977 and until further orders.

The 8th August 1977

No. 5(116)/70-SL—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Dev Singh Vimal as Programme Executive, All India Radio, Najibabad in a temporary capacity with effect from 15th July, 1977 and until further orders.

No. 4/40/77 Sl.—The Director General, All India Radio herch, appoints Shri Chandiakant Sadashiv Barve as Programme Executive, All India Radio, Pune in a temporary capacity with effect from 21st July, 1977 and until further orders.

The 9th August 1977

No. 4/7/77-SL.—The Director General, All India Radio hereby appoints Kum. Alice Zothannuii Fanai as Programme Executive, All India Radio, Aizawl in a temporary capacity with effect from 26th July, 1977 and until further orders,

No. 4/10/77-S1.—The Director General. All India Radio. hereby appoints Kum. Veena Ganpatrao Chaphalkar as Programme Executive, All India Radio, Pune in a temporary capacity with effect from 28th July, 1977 and until further orders.

No. 4/58/77-SL—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Bimal Chandra Gupta as Programme Executive, All India Radio, Jagdalpur in a teraporary capacity with effect from 25th July, 1977 and until further orders.

No. 4/61/77-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Sushil Robert Banerjee, as Programme Executive, All India Radio, Lucknow, in a temporary capacity with effect from 27th July, 1977 and until further orders.

N. K. BHARDWAJ Deputy Director of Administration for Director General

New Delhi, the 9th August 1977

No. 10/12/72-SIII,—On repatriation from Delhi State Industrial Development Corporation, New Delhi Shri S. C. Srivastava has joined as Assistant Engineer in the office of Regional Engineer (North) All India Radio, New Delhi with effect from 13-6-77 after availing of leave for 91 days from 10-2-77 to 10-6-77.

Deputy Director of ADMN.
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 1st August 1977

No. 17-11/74-Adm.I.—The President is pleased to appoint Shri M. K. Gupta to the post of Architect in the Directorate General of Health Services, New Delhi with effect from the forenoon of 24th May, 1977 in a temporary capacity until further orders.

The 3rd August 1977

No. A19019/40/76(AIIHPH)Admn.I.—Consequent on his premature retirement, Dr. P. K. Datta, relinquished charge of the post of Associate Professor of Bio-chemistry & Nutrition, All India Institute of Hygiene & Public Health, Calcutta on the afternoon of the 30th June, 1977.

S. P. JINDAL Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 8th August 1977

No. A.11017/1/76-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Miss) K. K. Solanki to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme, at Kanpur on temporary basis with effect from the forenoon of 11th July 1977.

No. A.11017/1/76-CGHS.I.—The Director General off Health Services is pleased to appoint Dr. (Smt.) K. N. Easwary Amma to the post of Ayurvedic Physician in Central Government Health Scheme at Madras on temporary basis with effect from the forenoon of 28th June, 1977.

Dr. S. Nesamany, Ayurvedic Physician on ad hoe basis was relieved of his post under CGHS, Madras with effect from the forenoon of 28th June, 1977.

No. A.11017/2/76-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Miss) Baljit Kal to the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of 12th July, 1977.

Deputy Director Admn. (CGHS)

New Delhi, the 2nd August 1977

No. A-12026/8/77-D.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri C. S. Chayan to the post

of Technical Officer, Central Drugs Standard Control orgn. Santa Cruz Airport, Bombay with effect from the 1st 'July 1977 in a temporary capacity and until further orders.

The 5th August 1977

No. A-12025/2/76-D.~The Director General of Health Services hereby appoints Shri C. Samual Devaprasad as Drugs Inspector in the West Zone Officer of the Central Drugs Standard Control Organisation of the Directorate General of Health Services at Bombay in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 11th July, 1977 and until further orders.

S. S. GOTHOSKAR
Drugs Controller (India)
for Director General of Health Services

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (DEPARTMENT OF AGRICULTURE) DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi-1, the 4th August 1977

No. F.2-11/76-Estt.(I).—The ad hoc appointment of Shri N. Sivarama Krishnan in the post of Asstt. Exhibition Officer (Grade I) has been continued beyond 16-7-1977 to 23-7-1977.

CHANDRA PRAKASH Director of Administration

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE MARKETING & INSPECTION (BR. HEAD OFFICE)

Nagpur, the 3rd August 1977

No. F.5/11/77-DU.—For the purpose of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notification No. 124 dated 15-9-1962, I hereby authorise the following officers to issue Certificate of Grading from the date of issue of this notification in respect of Myrobalans which have been graded in accordance with the provision of the Myrobalans Grading and Marking Rules as amended from time to time and formulated under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act 1937 (I of 1937):—

Name Designation

- 1. Shri M. C. Chakraborty—Assistant Marketing Officer.
- 2. Shri P. J. Chimalwar-Assistant Marketing Officer,
- 3. Shri T. M. Mustafi-Dy. Senior Marketing Officer.

J. S. UPPAL.
Agricultural Marketing Adviser
to the Government of India

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES (DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY)

Bombay-400 001, the 18th July 1977

No. Ref. DPS/2.1(1)/77-Adm/16899.—Director, Purchase & Stores. Department of Atomic Finergy, appoints the following Storekeepers in the Hyderabad Regional Unit of this Directorate as Assistant Stores Officers on an ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate for the period mentioned against each.—

- Shri V. V. Nair, SK HRSU, from 18-10-76 to 16-5-77, vice Shri C. Samuel, ASO, granted leave.
- 2. Shri H. R. Dua, SK HRSU, from 8-2-77 to 16-3-77, vice Shri M. N. H. Rao, ASO granted leave.
- Shri R. C. Nayar Storekeeper, Stores Unit (DPS), AMD, from 17-5-77 to 30-7-77, vice Shri C. Samuel, ASO.

The 27th July 1977

No. DPS/23/4/77-Est/17611.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri B. I., Rao, Storekeeper, Stores nit (DPS), HWP, Talcher to office as Assistant Stores Officer on an ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate with effect from June 3, 1977 (FN) to July 12, 1977 (AN) vice Shri R. N. Guha, Assistant Stores Officer granted leave.

B. G. KULKARN b. Assistant Personnel Officer

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (INDIAN METEOROLOGICAL DEPARTMENT)

New Delhi-3, the 6th August 1977

No. E(1)04393.—The Director General of Observatorics, hereby appoints Shri K. C. Subbaiah, Offg. Superintendent, Headquarters officer of the Director General of Observatories, New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of 50 days from 26-7-77 to 13-9-77.

Shri Subbaiah, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatorics, New Delhi.

No. E(I)05481.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. N. Bhan, Professional Assistant, Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi to officiate as Assistant Meteorologist for a period of Eightynine days with effect from the forenoon of 27-7-77 to 23-10-77.

Shri Bhan, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(I)05868.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Chander Parkash, Professional Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi to officiate as Assistant Meteorologist for a period of 50 days from 20-7-77 to 7-9-77.

Shri Chander Parkash, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(1)06059.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. C. Gupta, Professional Assistant, Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of 50 days with effect from the forenoon of 15-7-77 to 2007.

Shri Gupta, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(1)06106.—The Director General of Observatories, hereby appoints Shri V. Dayal, Professional Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi to officiate as Assistant Meteorologist for a period of 50 days with effect from the forenoon of the 30-7-77 to 17-9-77.

Shri Dayal, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(I)06754.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri N. Rangachary who was officiating as Assistant Meteorologist till 30-6-77 vide this office Notification No. E(I)06754, dated 4-5-77 at C.W.C. Visakhapatnam under the Director, Regional Meteorological Centre, Madras, as Assistant Meteorologist on regular basks in an officiating capacity in India Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) with effect from the forenoon of 31st May, 1977 and until further orders. Shri Rangachary remains posted to C.W.C. Visakhapatnam.

No. E(I)07540.—Consequent on acceptance of his resignation, Shri G. S. Mahi, Officiating Assistant Meteorologist, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi, India Meteorological Department was relieved 8—216GI/77

on the afternoon of 21st July, 1977 to enable him to take up appoinment with the Punjab Agricultural University, Ludhiana (Punjab).

No. E(I)08054.—The Director General of Observatories, hereby appoints Shri N. J. Lakhole, Professional Assistant, Meteorological Centre, Bhopal under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Nagpur as Assistant Meteorologist in Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in an officiating capacity with effect from the forenoon of 25th May 1977 and untifurther orders. Shri Lakhole remains posted as Meteorological Centre, Bhopal.

The 8th August 1977

No. E(I)/06736.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. K. Bansal, Professional Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of FIFTY days with effect from the forenoon of 16th July 1977 to 3rd September 1977.

Shri Bansal, officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

The 9th August 1977

No. E. (1) 01008.—The Director General of observatories hereby appoints the undermentioned Professional Assistants, to officiate as Assistant Meteorologist as follows:

SI. Name		Perio	đ	Office to which
No.	_	From	To	posted
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
S	/Shri			
1. B	. Gopinatha Lao	6-7 -77	20-8-77	Dy. Director General of Observato-
	hri H. R. anesan	6-7-77	20-8-77	riess (Climatology) Pune,
3. P	.K.E. Raja	6-7-7 7	20-8-77	Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Pune.
4. R	k.M. Saxena	5-7-77	31-8-77	Dy. Director Genc- ral of Observa- tories (Instru- ments), New Delhi.
5. R	.C. Dubey	6-7-77	20-8-77	Director, Agricul- tural Meteoro- logy, Pune.
6. F	t. Chaudhury	6-7-77	20-8-77	Director (Instru- ments), Pune.
	r.M. Samba- nurthy	6-7 -7 7	20-8-77	Regional Meteoro-
8. I	3. G. Lele	9-7-7 7	20-8-77	Bombay.
10. S 11. N 12. S 13. A	K. Bhowmik R. Biswas J.B. Ghosh K. Basu A.K. Mukher-	7-7-77 7-7-77 7-7-77 7-7-77 16-6-77	20-8-77 20-8-77 20-8-77 20-8-7 19-8-77	Regional Meteoro-
14. 1	jce V.C. Mukher- e	17-6-77	19-8-77	}
5. E	B.B. Roy	4-6-77	31-8-77	Meteorological Cen- tre, Gauhatiunder, Regional Met. Centre, Calcutta.
6. S	.R. Seshadri	6 - 7- 7 7	31-8-77	Regional Met,
	V. Sundaresa Rao	6-7-77	20-8-77	Centre, Medres.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
S/Sh	ıri			
18. V.M rajai	i. Varada- n	*20-7-77	7-8-77	*In continuation of earlier officiation allowance vide this office notification No. E (1) 01008 dated 13-6-77.
19. P. Vo Ram	onkata na Rao	17-6-77	19-8-77	C. W. C. Visakha- patnam under Regional Mot. Centre, Madras.
20. Chai	il Behari∙	7-7-77	31-8-77	Regional Met. Centre, New Delhi.
21. Bhay	wani Datt	4-7-77	20-8-77	Meteorological Centre, Srinagar Under Regional Met. Centre, New Delhi.

M.R.N. MANIAN Metcorologist

for Director General of Observatorics

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 30th July 1977

No. A-32012/3/77-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri V. H. Menon, Superintendent, as Administrative Officer (Group 'B' post) with effect from the forenoon of 8th June, 1977, on ad hoc basis in the office of the Regional Director, Madras Region, Madras Air-

No. A-32012/3/77-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri K. Kishore, Superintendent, as Administrative Officer (Group 'B' post) with effect from the forenoon of 1st July, 1977, on ad hoc basis, in the office of the Aerodrome Officer, Safdarjung Airport, New Delhi, vice Shri K. C. Jouhar, Administrative Officer granted

V. V. JOHRI Asstt. Director of Admn. for Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 28th July 1977

No. A-32014/2/77-E.A.—The following Assistant Aerodrome Officers who were officiating on ad hoc basis, reverted to their substantive post of Aerodrome Assistant (Class III Non-Gazetted) with effect from the 1st July, 1977 forenoon.

S. No., Name & Station

- 1. Shri H. S. Sandhu-Amritsar.
- 2. Shri C. V. Joseph—Madras.
- 3. Shri K. C. Jharia—Juhu (Bombay).

P. C. JAIN,

Asstt. Director Admn.

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 5th August 1977

1/433/77-EST.—Shri K Unnikrishnan, Technical Assistant, Headquarters Office, Bombay, has been appointed as Assistant Engineer, in an officiating capacity, purely on ad hoc basis, in the same office, with effect from the forenoon of 2nd July, 1977, and until further orders.

No. 1/434/77-EST. -Shri V. N. A. Unnithan, Technical Assistant, Headquarters Office, Bombay, has been appointed as Assistant Engineer, in an officiating capacity in the same office, purely on ad hoc basis, with effect from the forenoon of 2nd July, 1977, and until further orders.

No. 1/436/77-EST.—Shri M. K. Das, Technical Assistant, Calcutta Branch, has been appointed as Assistant Engineer, in an officiating capacity purely on ad hoc basis, in the same Branch, with effect from the forenoon of 2nd July, 1977 and until further orders.

No. 1/437/77-EST,—Shri S. P. Sinha, Technical Assistant, Arvi Branch, has been appointed as Assistant Engineer, in an officiating capacity, purely on ad hoc basis, in the same branch, with effect from the forenoon of 2nd July, 1977, and until further orders.

No. 1/438/77-EST.—Shri T. C. Mendes, Supervisor, Bombay Branch, has been appointed as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, in Madras Branch with effect from the forenoon of the 11th July. 1977, and until further orders.

The 6th August 1977

No. 1/227/77-EST.—Shri M. P. Vasu Pillay, Perm. Dy. Traffic Manager, Madras Branch, has retired from service, with effect from the afternoon of 30th June, 1977, on attaining the age of superannuation.

P. G. DAMLE Director General

Bombay, the 2nd August 1977

No. 1/369/77-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Bhagat Singh, Supervisor, New Delhi Branch as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity in the same Branch, for the periods given below, against short-term vacancies :-

Froni

- (1) 12-6-76—10-7-76.
- (2) 23-8-76—1-10-76.
- (3) 1-11-76-31-12-76.
- (4) 17-1-77-19-2-77. (5) 21-2-77-18-3-77.

No. 1/431/77-EST.—The Director General, Overseas Com-unications Service, hereby appoints Shri R. K. Anand, munications Service, hereby appoints Shri R. K. Anand, Technical Assistant, New Delhi Branch as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 16-5-77 to 30-6-77 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

The 3rd August 1977

No. 1/338/77 EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. K. Bose, Superintendent, New Delhi Branch, as Assistant Administrative Officer, in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 8-11-76 to 9-3-77 (both days inclusive), against a short-term vacancy

> M S. KRISHNASWAMY Administrative Officer for Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Baroda, the 21st June 1977

No. 8/77.—Shri L. D. Parmar, permanent Superintendent of Central Excise, Group 'B', Inspection group of Nadiad Division shall retire of Superannuation pension in the aftermoon of 30-6-1977.

> H. R. SYIEM. Collector of Central Excise

Kanpur, the 8th July 1977

No. 86/77.—Shri C. M. Bhatnagar, officiating Superintendent, Central Excise, Group 'B' Meerut handed over the charge of Supdt (Prev) Central Excise, Meerut in the afternoon of 31-5-77 to Sri Amreek Singh, Supdt., Central Excise, Meerut and retired from Government service on the attaining the age of superannuation in the afternoon of 31-5-77.

The 27th July 1977

No. 91/77.—Consequent upon his promotion to the grade of Administrative Officer, Central Excise, Group 'B' vide Collector, Central Excise, Kanpur's Estt. Order No. I/A/75/77, dated 1st June 1977 issued under endt. C. No. II-145-Estt/75/25416, dated 1st June 1977 in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000— EB—40—1200, Shri H. C. Motwani, Office Superintendent Central Excise assumed the charge of Administrative Officer, Central Excise, Agra in the forenoon of 4th July 1977.

> K. S. DILIPSINHJI Collector

Shillong, the 3rd August 1977

No. 7/77.—Shri Amanat Ali Hazarika, a permanent Inspector, Customs & Central Excise, Shillong Collectorate was appointed to officiate as Superintendent Group 'B' until further orders. Shri Hazarika assumed charge of Superintendent Group 'B', Customs & Central Excise, Tura on 27th June 1977 (F.N.).

No. 8/77.—Shri Amiya Kumar Das Purkayastha, a permanent Inspector, Customs & Central Excise, Shillong Collectorate was appointed to officiate as Superintendent Group 'B' until further orders. Shri Das Purkayastha assumed charge as Superintendent Group 'B', Customs & Central Excise, Agartala on 22nd July 1977 (F.N.).

K. S. SAHA Collector

Patna, the 27th July/8th August 1977

C. No. 11 (7)-Et. /77/9647,—In pursuance of this office Estt. Order No. 271/76 dated 20-10-76 and Estt. order No. 99/77 dated 20-4-77 appointing twelve inspectors of Central Excise Customs to officiate as Supdt. Central Excise/Customs Group 'B' in the scale of Pay Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000 E.B.-40-1200/- plus usual allowances as admissible under rules as modified under Estt. order No. 121/77 dated 1-6-77, the following officers have assumed charge as Supdt. Central Excise/Customs at the places and with offect from the date and hours indicated below against each:—

Namo		Place of posting	Date of assumption of charge
S/Shrì			
1. U.S. Dubey	•	Monghyr Range	30-5-77 (F.N.)
2. G.N. Verma	•	Ti ₈ co-I Range	29-6-77 (F.N.)
 Choudhary Md. Safuillah 		Supdt. (Prev.) C. Ex., Jamshedpur	15-11-76 (F.N)
4. J.P. Sinha	•	Patcypur Range	5-11-76. (F.N.)
5. C. S. Prasad ·	•	Supdt. (Prev.) C. Ex. H. Qrs. Office, Patna.	23-5-77
6. Anwar Ahmed .	•	Bairgania, Cus. (Prev.)	30-6-77 (F.N.)
7. Ram Pujan Tewari	•	Supdt. (Audit) C. Ex. Hgrs. Office, Patna.	10-5-77 (F.N.)
8. Kusheswar Pd. Verm	ıa·	Nirmali Cus (Prev.)	16-5-77 (F.N.)
9. Jagdish Pd. ·		Ti _s co-I Range	30-4-77 (F.N.)
to. Jagnarain Pd. ·		Motihari Cus (Prev.)	25-4-77 (F.N.)
11. Rajendra Pd. Choube	ÞУ	Jandeha Range	7-6-77 (F.N.)

H. N. SAHU Collector

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 4th August 1977

No. A-19012/614/76-Adm.V.—The Chair,man, Central Water Commission hereby appoints Shri Rattan Singh, Super-

visor, as Assistant Engineer in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary and ad hoc basis w.e.f. the forenoon of 12th August, 1976 until further orders,

Shri Rattan Singh assumed charge of the post of Assistant Engineer, Lower Lagyap Construction Sub-Division No. III, Ranipul (Sikkim) under Superintending Engineer, Lower Lagyap Hydel Project Circle, Gangtok, Sikkim w.e.f. the above date and time.

J. K. SAHA Under Secy. for Chairman, C. W. Commission

NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 3rd August 1977

No. 11.—Shri B. L. Trikha officiating Deputy Chief Engineer, Kashmere Gate, Delhi retired from Railway Service with effect from the afternoon of 30th June, 1977.

J. N. KOHLI General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Notice under Section 445(2) of the Companies Act. 1956
In the matter of M/s. Overseas Trading Corporation
Pvt. Ltd.

Delhi, the 2nd August 1977

No. Co. Liqn. 3143/13801.—By an order dated the 12-5-1977 of the Hon'ble High Court of Delhi M/s Overseas Trading Corporation Private Limited has been ordered to be wound up.

Notice Under Section 445(2) of the Companies Act, 1956 in the matter of M/s. Jakom Industrial Corporation Pvt. Ltd.

Delhi, the 2nd August 1977

No. Co. Liqu 3331/13802.—By an order dated the 26-8-1976 of the Hon'ble High Court of Delhi M/s Jakom Industrial Corporation Private Limited has been ordered to be wound up.

R. K. ARORA
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi & Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Shanthi Chit Funds Private Limited

Madras-600 006, the 3rd August 1977

No. 5740/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Shanthi Chit Funds Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Jeyamani Chit Funds Private Limited

Madras-600 006, the 6th August 1977

No. 5606/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Jeyamani Chit Funds Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Rabia Chit Funds Private Limited

Madras-600 006, the 6th August 1977

No. DN/5669/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956 that the name of M/s. Rabia Chit Funds Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Shah Foundries Private Limited

Madras-600 006, the 6th August 1977

No. 6016/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s, Efficient Printers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Madrus Merchandise Private Limited

Madras-600 006, the 8th August 1977

No. DN/1517/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Madras Mcrchandise Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Polyester Fibres Limited

Madras-600 006, the 8th August 1977

No. DN/5599/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Polyester Fibres Limited has this day been struck off the Register and the said company as dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Projects and Advisory Services Private Limited

Madras-600006, the 8th August 1977

No. DN/5853/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Projects and Advisory Services Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN Asstt. Registrar of Companies, Tamilnadu

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Shah Foundries Private Limited

Ahmedabad, the 4th August 1977

No. 1884/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Shah Foundries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

J. G. GATHA Registrar of Companies, Guiarat

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Parasrampurla Lime Industries Private Ltd., Jajpur

Jaipur, the 2nd August 1977

No. STAT/1069.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Parasrampuria Lime Industries Private Ltd., Jaipur, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act. 1956 and of M/s. Vindhya Chit Fund Private Ltd., Jaipur Jaipur, the 2nd August 1977

No. STAT/1228.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof

the name of the M/s. Vindhya Chit Fund Private Hil., Jaipur, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. M. K. Finance and Trading Company Private Ltd.,

Jaipur, the 2nd August 1977

No. STAT/1211.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. M. K. Finance and Trading Company Private Ltd., Jaipur, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Shiban Chemicals and Fertilizers Private Ltd., Jaspur

Jaipur, the 2nd August 1977

No. STAT/1602.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Shiban Chemicals and Fertilizers Private Ltd., Jaipur, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

R. D. KUREEL Registrar of Companies, Rajasthan, Jaipur

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Victory Films (Private) Limited

Calcutta, the 6th August 1977

No. 2/275/560(3).—Notice is nereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date herothe name of the Victory Films (Private) Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Neptune Electronics Private Limited

Calcutta, the 6th August 1977

No. 28261/560(3).—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Neptune Electronics Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bogra Coal Company Private Limited

Calcutta, the 6th August 1977

No. 28637/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bogra Coal Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Daga Coal Traders Private Limited

Calcutta, the 6th August 1977

No. 28639/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Daga Coal Traders Private Limited, unless scause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Premier Polyclinic Private Limited

Calcutta, the 6th August 1977

No. 29231/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Premier Polyclinic Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Nega Jemehari Coal Company Private Limited

Calcutta, the 6th August 1977

No. 28638/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Nega Jemehari Coal Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. NATH Asstt. Registrar of Companies, West Bengal

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX Allahabad, the 18th July 1977

Income-tax Act, 1961—Section 123 (1) & (2)
Jurisdiction of I.A.Cs. of Income-tax in
C.I.T., Allahabad Charge—

C. No. 81, (c)/I.A.C./Tech./77-78,—In exercise of the pewers conferred by Sub-sections (1) and (2) of Section 123 of the Income-tax Act, 1961, I the Commissioner of Incometax, Allahabad hereby make the following amendments to the Notification C. No. 284/Tech./C.I.T.-Jurs./77-78, dated 4-5-77.

Against existing item 3 of Column 3, Ghazipur is to be added at Sl. No. 4.

Sl. No.	I.A.C. Range	Number of Circle or Sub- charge included in the Range.	
1	2	3	
3.	Varanasi	4. Ghazipur	

This notification shall be deemed to take effect from 1-6-1977.

SHEIKH ABDULLAH
Commissioner of Income-tax
Allahabad

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th August 1977

Ref. No. RAC. No. 63/77-78.—Whereas, 1, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of 6-15-1479, 1480 & 1496 at Gurba-Abadi Road, Niza-mabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at Nizamabad on 24-3-1977

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sant. Thodupunoori Anjamma, W/o T. R. Pandari, residing at Devi-Road, Nizamabad.

(Transferor)

(2) Smt. Padma Lingamma, W/o Padma Chinnajah, H. No. 7-3-6 at Mirchi Compound, Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mill (without Machinery) being part of the Premises bearing M. No. 6-15-1479, 1480 and 6-15-1496 situated at Gurba-Abadi Road, Nizamabad, on the area of 1811.11 Sq. Yds consisting of godowns, hall, open platform mill etc., registered vide Doc. No. 1315/17 in the Office of the Sub-Registrar Nizamabad bounded on:—

East: Open place,
West: Gurba-abadi Road,
North: Venkatesh Mill,
South: M. Bansilal Rice Mill-

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-8-1977

_

FORM ITNS-

(1) Shri Sudhir Kumar Bose S/o Shri Sarat Chandra Bose, R/o Budha Para, Raipur (M.P.).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Deenmani Shankur Purohit S/o
 Shri Shivlal Purohit,
 R/o Mahatma Gandhi Rond, Ralpur (M.P.).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE. BHOPAL

Bhopal, the 8th August 1977

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/879/77-78.—Whereas, I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One kachcha House with open land Municipal House No. 15/613 (Part), situated at Rikhya Para Ward. Jawahar Nagar, Raipur, situated at Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 27-1-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Kachcha House with open land, Municipal House No. 15/613 (Part), situated at Rikhya Para Ward, Jawahar Nagar, Raipur (M.P.).

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 8 8-1977.

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th August 1977

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/878/77-78.—Whereas I, R. K. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

An open plot of land (undeveloped) admeasuring 1,35,804 sq. ft. out of Khasra No. 181 & 182, Gram-Todi, Mandsaur (M.P.), situated at Gram-Todi, Mandsaur (M.P.)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Mandsaur on 7-1-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Abha W/o Shri Anil Kumar Gunta
 - 2. Shri Susheel Kumar S/o Lala Dalel Singh Gupta
 - Shri Nanalal S/o Shri Eklingji Soni.
 All R/o Mandsaur (M.P.)
 - 4. Shri Suresh Chand S/o Gopikishan Goyal, R/o Neemuch (M.P.).

(Transferor)

(2) M/s. Rajaram & Bros., Mandsaur (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land (undeveloped) admeasuring 1,35,804 sq. ft. out of Khasra No. 181 & 182, Gram Todi, Mandsaun (M.P.).

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 8-8-1977,

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 30th July 1977

Ref. No. 2/DEC/76-77.—Whereas I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

62, situated at Varada Muthiappan Street, George Town, Madras-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sowcarpet, Madras (Doc. No. 327/76) on 1-12-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
9—216GI/77

 Mrs. M. Kumudavalli Thayar, W/o Padmavathi Chetty, No. 8-A, Railway Border Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Shri N. Subbanna, 52, Kandappa Chetty Street, George Town, Madras-1.

(Transferee)

(3) 1. Shri N. Seshagiri Rao2. Shri S. Lakshmiah Chetty.

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 and measuring 1,624 sq. ft. with building thereon at door No. 62, Varada Muthiappan Street, George Town, Madras-1.

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 30-7-1977

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ΛCQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 30th July 1977

Ref. No. 6/DEC/76-77.—Whereas I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sur. No. 15/2, situated at Punjai Idayar Melmugam village, Namakkal taluk,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Velur (Doc. No. 1666/76) on 6-12-1976

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in rursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri V. E. Chandrasekharan, S/o V. K. Eswara Iyer, Agraharam, Velur P.O. Namakkal taluk, Salem district.

(Transferor)

(2) Smt. M. Saraswathi, W/o Shri N. K. Marudan, 5-A, East Street, Velur, Namakkal taluk, Salem district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 201 cents in survey No. 15/2 at Punjai Idayar Melmugam village, Namakkal taluk, Salem district.

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 30-7-1977

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-J, MADRAS-6

Madras-6, the 30th July 1977

Ref. No. 9/DEC/76-77.—Whereas I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

 situated at Mannarsami Koli Street, Rayapuram, Madras-13,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rayapuram (Doc. No. 876/76) on 3-12-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:—

Mrs. Pattammal, W/o Shri A. Sambandam
 Shri S. Sekhar, S7o Shri A. Sambandam
 Mrs. Rani, W/o Shri Shanmugam,
 No. 51, Mannarsami Koil Street,
 Madras-13.

(Transferor)

(2) Smt. S. Sakkareswari, W/o Shri S. Chellakkannu, 70, Mannarsami Kóil Street, Rayapuram, Madras-13.

(Transferce)

(3) M/s. 1. Dharmarajan.

- 2. Balakrishnan
- 3. Subramaniam
- 4. Thangamani
 5. Murugasamy,

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l and measuring 1 ground and 69 sq. ft. with building thereon at door No. 70, (R.S. No. 976), Mannarsami Koil Street, Rayapuram, Madras-13.

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6
(Incharge)

Date: 30-7-1977

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 30th July 1977

Ref. No. 43/DEC/76-77.—Whereas J, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Pymash No. 44/5,

the object of :--

situated at New Pallipalayam Road, East Colony, Komara-palayam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Komarapalayam (Doc. No. 1623/76) on 18-12-1976 consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri N. Gurusamy Naidu,
 - Shri Gururaj, S/o Naidu,
 - 3. Shri Gurunarayanan, \\
 S/o Shri Gurunarayanan, \\
 4. Miss Gurulakshmi, \\
 \end{align*}

as guardian.

Miss Gurulakshmi, D/o Shri Gururaj, No. 425, Salem Main Road, Komarapalayam.

(Transferor)

(2) Smt. Susila Ammal, W/o Balakrishnan, 160B, O.R.P. Colony Road, West Colony, Komarapalayam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land measuring 31011 sq. ft. with building thereon at Pymash No. 44/5, Kangeyandar), New Pallipalayam Road, East Colony, Komarapalayam.

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6
(Incharge)

Date: 30-7-1977

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

MADRAS-6

Madras-6, the 30th July 1977

Ref. No. 44/DEC/76-77.—Whereas I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25, situated at Kakka Thoppu Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Pudumandapam (Doc. No. 1463/76) on December, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. K. V. Seethalakshmi Varassar, Koduvayoor, Variam, Koduvayoor P.O. Palghat district, Kerala State.

(Transferors)

Smt. S. Saradha,
 W/o M. Sankaranarayanan,
 Agent, Nedungadi Bank,
 West Hanumarkoil Street,
 Villupuram 605 602.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter AXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2530 sq. ft, with building thereon at door No. 25, Kakka Thoppu Street, Madurat,

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6
(Incharge)

Date: 30-7-1977

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 9, FOREST PARK, BHUBANESWAR-9.

Bhubaneswar 9, the 17th August 1977

Ref. No. $49/77-78/IAC(\Lambda/R)/BBSR$.—Whereas, I, A. N. MJSRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,600/and bearing Khata No. 756 situated at Mouza-Bidyadharpur (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jeypore (Koraput) 25.11.1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) K. M. Hussain, (2) k. M. Noor, (3) k. M. Sultan (4) K. M. Abdulla, (5) K. M. Madhar (6) K. M. Kutubuddin, (7) K. M. Ameer (8) K. M. Sabir Hussain, (9) K. M. Samsur Rahiman (10) K. M. Gouse, (11) k. M. Tajuddin (12) K. M. Sabbain Begum, Jeypore town, Dist. Koraput. (Transferor)
- (2) Kailash Chand Agarwala, S/o Jaidayalmul Agarwala, Jeypore town, Dist. Koraput,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Upstair building situated in western row of Main Road, Jeypore over Plot No. 69 and 70/1106 with an extent of Ac. 0.080 decimals and Ac. 0.009 decimals respectively of Khata No. 756 of Bidyadharpur mouza of Jeypore town.

A. N. MISRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhubaneswar

Date: 17-8-1977

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 11th August 1977

C.R. No. 62/7320/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential house bearing corporation No. 14, Lewis road, Cooke town, Civil station, Bangalore-(Dn. No. 49)

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of (1908) in the office of the Registering officer at

Shivajinagar Bangalore, Document No. 1733/76-77, on 16-12-76.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) I. Mrs. Minnie Bhagiam Snehalata Chellappa w/o Theopnilus Chellappa and her two daughters (2) Mrs. Priyalata Shakila Telfer (Nee Chellappa) (3) Miss Mallika Suhasini Chellappa, all residing at 8, Khader Nawaz Khan road, Nungambakkam Madras-34.

(Transferors)

(2) Miss Mohini Tolaram, D/O Sri Tolaram, No. 16, Dacosta lay out, Bangalore-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1733/76-77, dated 16-12-76]

All that piece and parcel of land together with the dwelling house and out houses thereon now bearing corporation No. 14, Lewis road, Previously No. 7A and earlier No. 8, Lewis road, Cooke town, Civil Station, Bangalore (Dn. No. 49). Boundaries:

N. No. 6, High Street,

S. Lewis road

E. 7, Lewis road and

W. Vacant land

J. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 11-8-1977

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 29th July 1977

C.R. No. 62/7846/76-77/ACQ/B,—Whereas, I, J. S. RAO.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Show room bearing corporation No. 36-C New No. 7, Dickenson Road, Civil Station, Bangalore, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore Doc. No. 1703/76-77 on 13-12-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the nforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri takshmidas C. s./o Sri, B. Chabildas 14-A Infantry road, Civil Station, Bangalore.

(Transferor)

(2) M/s C.R. and Sons, 36-C, Dickenson road, Bangalore-42, rep. by its Prop. Sri C. R. Chander, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1703/76-77, dated 13-12-76]

All that piece and parcel of land with all the buildings standing thereon, bearing corporation old No. 36-C, New No. 7, Dickenson road, Civil Station, Bangalore, comprising ground floor and the first floor,

Boundaries:

- E. Shop. Premises old No. 36-B, New No. 8, Dickenson road.
- W. Private property and property of Mrs. Sorbhai.
- N. No. 2 Street and
- S. Dickenson road.

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 29-7-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 9th August 1977

C.R. No. 62/7658/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building bearing No. 28 Old and New No. 29, with ground floor and first floor, Sheshadri road, Ananda Rao circle, Bangalore-9, (D. No. 14)

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Doc. No. 1723/76-77 on 15-12-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
10—216GI/77

 Sri S. N. Srinatha s/o late Dr. S. N. Prasad. No. 30, Sheshadri road, Anandarao Circle, Bangalore-9.

(Transferor)

(2) M/s Hotel Dwaraka, No. 721, I Closs, V Block, Rajajinagar, Bangalore-10 rep. by its Partner Sri N. R. Narayana Rao.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1723/76-77, dated 15-12-76]

Building bearing old No. 28 and New No. 29, with ground floor and first floor, Sheshadri road, Ananda Rao Circle, Bangalore-(9) (Dn. No. 14)

Boundaries:

- E. Devendrappa's house.
- W. Premises No. 27, 220 and Subedar Chatram road.
- N. Property No. 30 and 30/1 of S. N. Srinath and Sheshadri road

and

S. Property of Smt. Chokkamma and Smt. Sheethamma and also partly premises No. 217 of S. N. Srinath with a passage measuring N to S=33! E to W=25!.

J. S. RAO Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date : 9-8-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Bangalore-27, the 8th August 1977

C.R. No. 62/7664/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. House premises bearing No. 15, Old No. 50'56, Thotada Devaragalli, 19th Division, situated at Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar, Bangalore, Doc. No. 1693/76-77 on 15-12-76, for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Padmavathamma W/o late A. Annayyappir, No. 453, Rajamahal vilas Extn, Bangalore-6.

(Transferor)

(2) Shri Jitendra Kumar, R. Shah, S/O Sri, Ramaniklal, Prop. Prakesh cycle stores, Arcot Srinnivasachar street, Bangalore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1693/76-77, dated 15-12-76] House Premises bearing No. 15, Old, No. 50/56, Thotada Devaragalli, 19th Division, Bangalore.

Boundaries :-

E: Property of Shri A. Ramachandra,

W: Thotada Devaragalli,

N: Nashyada Pillamma galli, and

S: Maryswamy Matada galli.

J. S. RAO

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-8-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

Bangalore-27, the 8th August 1977

C.R. No. 62/7669/76-77/ Λ CQ/B,—Whereas, I, J. S. R Λ O, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Old No. 34, New No. 3, 1 Main, V. Block, K. P. West extension, Bangalore-20.

situated at

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar, Bangalore, Doc. No. 1653/76-77 on 6/13-12-76, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. T. R. Jayamma Govinda, w/o R. Govinda, No. 16, IV Cross, IX Block, K. P. West Extension, Bangalore-20.

(Transferor)

(2) Sri M. N. Nagaraja, s/o Sri Nanjaiah, No. 2, Yellappa's House, III Main, New Guddadahalli, Mysore road, Bangalore-26.

(Transferee)

(3) M/s Shivakumar Agency, No. 3, I Main, V Block, K. P. West, Bangalore-20.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1653/76-77, dated 6/13-12-70]

All the dwelling house with compound, out house, Garden and Garage etc. bearing Municipal Old No. 34, New No. 3, I Main, V Block, K. P. West extension, Bangalore-20,

Boundaries :-

- E. First main road.
- W. House of R. Krishnappa,
- N. House of Raghunatha Rao Mane and
- S. House of B. Basavalingappa.

J. S. RAO

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-8-1977

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Bangalore-27, the 8th August 1977

C.R. No. 62/7676/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House bearing New No. 1, on site No. 85, II road, Nandidurga extension, Dn. No. 46, Bangalore,

situated at

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar, Bangalore. Doc. No. 1574/76-77 on 3-12-76, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- 'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Kamalamma J. K. Goud, w/o late J. K. Goud, 2. Sri B. M. Divakar, adopted s/o late J. K. Goud, Both residing at Sorab, Shimoga Dist.

(Transferor)

(2) Sri M. G. Kadali, No. 80, Ranoji Rao road, Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1574/76-77, dated 3-12-76]

House bearing New No. 1, on site No. 85, II road, Nandidurga extension, Dn. No. 46, Bangalore.

Boundaries :-

F. Property on site No. 89.

W. road

N. Public road and

S. Property on site No. 86.

J. S. R.\O
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-8-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 8th August 1977

C.R. No. 62/7679/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. premises bearing old No. 20 and New No. 22 and present No. 5, 10th cross, situated at Cubbonpet, Bangalore (Dn: No. 43).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Doc. No. 1567/76-77 on 1-12-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri S. Anand s/o M. Sadashivappa 2. Sri S. Ashok s/o M. Sadashivappa 3. Sri M. Sadashivappa. All residing at 178, 5th Main road, 1V Block, Jayanagar, Bangalore. For Nos. 2 and 3, P. A. Holder, is Sri S. Anand.

(Transferor)

(2) Smt. K. V. Rajeswari, w/o B. Thimmanna, 10th cross, Cubbonpet, No. 5, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1567/76-77, dated 1-12-76]

Premises bearing old No. 20, New No. 22 and present No. 5, 10th cross, Cubbon Pet, Bangalore. (Dn. No. 43).

Boundaries :

- F. 10th cross road.
- W. Kattaiah's house.
- N, Devanahalli Puttamma's house and
- S. Rangappa's house.

J. S. RAO

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-8-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangalore-27, the 29th July 1977

C.R. No. 62/9282/77-78/ACQ/B.—Whereas, 1, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. vacant site bearing corporation New No. 7, VI cross road, situated at Huchins road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Doc. No. 137/77-78 on 20-4-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Pillamma w/o Sri T. Nagappa No. 14, yayamahal Extension, Bangalore.

(Transferor)

(2) Sri V. Ramanjulu Naidu s/o late Venkataswamy Naidu, No. 6, Ashoka road, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 137/77-78, dated 20-4-77]

Vacant site bearing corporation New No. 7, VIth cross road, Huchins road, Bangalore.

Boundaries:

E. Site No. 63,W. 25' wide road 6th cross.N. site No. 57, andS. 25' wide cross road.

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 29-7-77

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th August 1977

Ref. No. AP-1684.—Whereas, I, B. S. Dehiya being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) Jullundur on Dec. 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Narinder Kumar S/o Sh. Badri Dass, Mandir Wali Gali, Bazar Nauhrian, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Dharam Chand s/o Gurdita Mal Subhash Chand & Ashok Kumar Ss/o Sh. Dharam Chand, W E-70 Ali Mohalla, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop as noted in the Registration sale deed No. 4991 of Dec. 76 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 11-8-77

(1) 1. Shri Gurpreet Singh2. Jai Prit Singh ss/o Sh. Rajinder Singh

3. Rajwant Kaur d/o Sh. Rajinder Singh

4. Rajinder Knur wd/o Rajinder Singh 491-Model Town, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th August 1977

Ref. No. AP-1685.—Whereas, I B. S. Dehiya being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Green Park, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Dec. 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(2) Shri Sadhu Singh S/o Sh. Narain Singh S/o Sh. Waryam Singh 455-L Model Town, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registering sale deed No. 440' of Dec. 76 of the Registering Authority, Juliandur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 11-8-77

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th August 1977

Ref. No. AP-1686.—Whereas, I B. S. Dehiya being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Mota Singh Nagar, Juliundur

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in Dec. 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) Incilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
11—216GI/77

- (1) Shri Lal Singh S/o Chowdhry Sher Singh S/o Sh. Gurmukh Singh R/o Shebhajpur Teh. Dasuha, (Transferor)
- (2) Shri Harbans Singh Atwal S/o Sh. Gurbachan Singh S/o Sh. Thakar Singh R/o Chitti Teh, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration sale deed No. 4464 of Dec. 76 of the Registering Authority Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 11-8-77

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th August 1977

Ref. No. AP-1687.—Whereas, I.B. S. Dehiya being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Preet Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in Jan. 77

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Sarla Kaushal D/o Sh. Ram Saran Dass, 2. Sh. Romesh Chandra S/o L. Ram Sarup GA of Smt. Sheela Gupta D/o Sh. Ram Saran Dass, 816-Kalkaji extension New Delhi.
- (2) 1. Shri Jai Kishan, 2. Romesh Kumar, 3. Sh. Jai Parkash S/o Sh. Patram Dass C/o M/s. Bansal Steel Supply Co., Tanda Road, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registration sale deed No. 5686 of Jan. 77 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 11-8-77

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR

Jullundur, the 11th August 1977

Ref. No. AP-1688.—Whereas, I B. S. Dehiya being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Ladowali Road Juliundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur in Jan. 77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Guidit Singh S/o Sh. Natha Singh, Vill. Gill, Tch. Nakodar.

(Transferor)

- (2) Shri Piara Singh S/o Sh. Jiwan Singh E. G 46-A Ladowali Road, Jullundur.

 (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registration sale deed No. 5671 of Jan 77 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 11-8-77

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th August 1977

Ref. No. AP-1689.—Whereas, I, B. S. Dehiya being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

As per Schedule situated at Basti Danish Mandan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on Dec. 1976

for an apparent

OΤ

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Amar Singh S/o Sh, Jaimal Singh C/o Satnam General store, near Puran Chand Chakki, Basti Danish Mandan H, No. W.O.—129, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri Jagdish Lal, Satish Kumar SS/o Sh. Hari Chand H. No.—114, Basti Danish Manda Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration sale deed No. 4530 of Dec., 76 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYA.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 11-8-77

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th August 1977

Ref. No. AP-1690.—Whereas, I, B. S. Dehiya being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Lidhran (Jullundur) and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Jan. 77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rajinder Singh S/o Sh. Karam Singh, Amrit Bazar, Kapurthala. (Transferor)
- (2) Shri Jaswant Singh S/o Sh. Vir Singh 31-Modern Colony, Jullundur.

 (Transferee)
- (3) Shri Sardul Singh & Darshan Singh S/o Sh. Kartar Singh.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 5548 Ian. 77 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliandur

Date: 11-8-77

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliandur, the 11th August 1977

Ref. No. AP-1691.—Whereas, I, B. S. Dehiya being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Lidhran, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Jan. 77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Darshan Singh, Mohinder Singh S/o Sh. Kirpa Singh, Nakodar Road, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Jaswant Singh S/o Sh. Vir Singh, 31, Modern Colony, Jullundur.

(Transferee)

(3) Shri Sardul Singh & Darshan Singh S/o Sh. Kartar Singh.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration sale deed No. 5667 of Jan. 77 of the Registering Authority Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 11-8-77

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th August 1977

Ref. No. AP-1692.—Whereas, I, B. S. Dehiya being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Lidhran, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Jan. 77

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Amrik Singh Surjit Singh SS/o Sh. Kirpa Singh, Nakodar Road, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Jaswant Singh S/o Sh. Vir Singh, 31-Modern Colony, Jullundur.

(Transferee)

(3) Shri Sardul Singh & Darshan Singh S/o Sh. Kartar Singh.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration sale deed No. 5625 of Jan. 77 of the Registering Authority Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 11-8-77

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th August 1977

Ref. No. AP-1693.—Whereas, I, B. S. Dehiya being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at Lidhran Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Jan. 77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Darshan Singh S/o Sh. Kirpa Singh, Nakadar Road, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Jaswant Singh S/o Vir Singh, 31-Modern Colony Jullundur.

(Transferee)

(3) Shri Sardul Singh & Darshan Singh S/o Sh. Kartar Singh.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mentioned in the Registration, Sale deed No. 5584 of Ian. 77 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 11-8-77

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th August 1977

Ref. No. AP-1694.—Whereas, I. B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at Lidhran, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on January 1977.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

12-216GI/77

(1) Shri Mohinder Singh S/o Shri Kirpa Singh, Nakodar Road, Juliundur,

(Transferor)

(2) Shri Jaswant Singh S/o Shri Vir Singh, 31-Modern Colony, Jullundur.

(Transferee)

(3) S/Shri Sardul Singh and Darshan Singh, S/o Shri Kartar Singh.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration sale deed No. 5553 of January 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

2 1 41

Date: 11-8-1977

 Km. Kartar Kaur D/o Shri Nagina Singh, Nakodar Road, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jaswant Singh S/o Shri Vir Singh, 31-Modern Colony, Jullundur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JUI.LUNDUR

Jullundur, the 11th August 1977

Ref. No. AP-1695.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Lidhran, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur on January 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following per(ons, namely;—

- (3) S/Shri Sardul Singh and Darshan Singh,S'o Shri Kartar Singh.(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration sale deed No. 5552 of January 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 11-8-1977

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th August 1977

Ref. No. AP-1696.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Lidhran, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on January 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Amrik Singh S/o Shri Kirpa Singh, Nakodar Road, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Jaswant Singh S/o Shri Vir Singh, 31-Modern Colony, Jullundur.

(Transfor¢e)

- (3) S/Shri Sardul Singh and Darshan Singh, S/o Shri Kartar Singh. (Person in occupation of the proper⊁
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration sale deed No. 5551 of January 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 11-8-1977

 Shri Surjit Singh S/o Shri Kirpa Singh, Nakodar Road, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th August 1977

Ref. No. AP-1697.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Lidhran (Jullundur) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on January 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Shri Jaswant Singh S/o Shri Vir Singh, 31-Modern Colony, Jullundur.

(Transferee)

(3) S/Shri Sardul Singh and Darshan Singh, S/o Shri Kartar Singh.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration sale deed No. 5550 of January 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 11-8-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

JULLUNDUR

Jullundur, the 11th August 1977

Ref. No. AP-1698.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Lidhran, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on January 1977.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Nirmal Singh S/o Shri Kirpa Singh, Nakodar Road, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Jaswant Singh S/o Shri Vir Singh, 31-Modern Colony, Jullundur.

(Transferce)

- (3) S/Shri Sardul Singh and Darshan Singh,S/o Shri Kartar Singh.(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration sale deed No. 5549 of January 1977 of the Registration Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 11-8-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th August 1977

Ref. No. AP-1699.—Whereas, I, B. S. DEHIYA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Basti Guzan, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on January 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Balwant Singh S/o Shri Gurdit Singh, H. No. 400, Basti Guzan, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Raj S/o Shri Munshi Ram, H. No. 12, Basti Guzan, Jullundur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 Above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration sale deed No. 5492 of January 1977 of Registering Authority Jullandur

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 11-8-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

JULLUNDUR

Jullundur, the 11th August 1977

Ref. No. AP-1700.-Whereas, I, B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Rama Mandi, Jullundui

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur on December 1976

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Shri Duni Chand S/o Shri Briju Near Hari Singh Sarpanch, Village Dhina, P.O. Sansarpur.

(Transferor)

(2) Shrimati Santosh Kumar W/o Shri Chander Parkash, House No. 61/1, Moh. 9, Jullundur Caintt, and C o Chander Parkash Book Sinder, Hardyal Road, Jullundur Cantt.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 Above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop as mentioned in the Registration Sale Deed No. 4916 of December, 1976 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur,

Date: 11-8-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-1AX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th August 1977

Ref. No. AP-1701.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Sodal Road, Julundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on December 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Pritam Kaur W/o Shri Sarbux Singh, National Steel Mfg. Co., Sodal Road, Jullundur.

(Transferor

Smt. Swarn Kaur W.o Shri Bhavikhan Singh
 Bhavikhan Singh S/o Rattan Singh,
 Village Palahi, Tehsil, Phagwara.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 Above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as metioned in the Registration Sale Deed No. 4574 of December 1976 of the Registering Authority, Jullandur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 11-8-1977

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th August 1977

Ref. No. AP-1702.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Old Jawahar Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur on February 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. 10 the following persons, namely:—

 Smt. Savitri Devi W/o Om Parkash, 13-B, Old Jawahar Nagar, Jullundur City.

(Transferor)

(2) S/Shri Resham Singh, Darshan Singh Ss/o Shri Prem Singh, N.A. 252, Krishanpura, Jullundur City.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 Above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 6334 of February 1977 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 11-8-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th August 1977

Ref. No. AP-1703.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

As per Schedule situated at Old Jawahar Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur on April 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Savitri Devi W/o Om Parkash, 13-B, Old Jawahar Nagar, Jullundur City.

(Transferor)

(2) S/Shri Manohar Singh, Avtar Singh, Ss/o Shri Prem Singh, N.A. 252, Krishanpura, Jullundur.

(Transferec)

(3) As per Sr. No. 2 Above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property,
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 51 of April 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 11-8-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Sri Nawab Qutub Yar Jung,

Smt. Rashcedunissa Begum,
 Smt. Nazeerunnisa Begum, all residing at H. No. 10-3-304 at Masab Tank, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt, Susheela Devi Marda, W/o Sri Brijmohan H. No. 10-3-281/2 at Masab Tank, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, **HYDERABAD**

Hyderabad, the 8th August 1977

Ref. No. RAC. No. 62/77-78.—Whereas I, K. S. ■VENKATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

10-3-281/2,

situated at Masab Tank, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Khairatabad on 23-12-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub. section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 10-3-281/2 at Masab Tank, Hyderabad: bounded on

East: House of Bipin Chandra, West: House of Mirza Abdulla Baig, North: Public Road.

South: Property belonging to Vendor, registered vide Doc. No. 2127/76 in the Office of the Sub-Registrar Khairtabad, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 8-8-1977